■ श्रावण शुक्ल - 15 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 18 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 09-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने' जैसा है राहुल का दावा : भाजपा

6 एक हथिनी 'माधुरी' के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

7 विदेशी सामान खरीदने की कीमत देश आतंकवाद के रूप में चुकाता है : आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति ने दी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा एवं उनके सम्मान के ''हमारे संकल्प'' को मजबूत करता है। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार भाई-बहन के बीच प्रेम और विश्वास के अनूठे बंधन का प्रतीक है। मुर्मू ने कहा, यह त्योहार समाज में सद्भाव और एकता की भावना को बढ़ावा देता है। यह अवसर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को संरक्षित करने का भी अवसर है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी मुद्दे

बकवादी बोले अंटशंट,
वो ही मुद्दा बन जाता है।
हो जाते गौण सही मुद्दे,
चाकू उन पर तन जाता है।
इतिहासों का अमृत मंथन,
कचरा बन कर छन जाता है।
अपमानित होते कालपुरुष,
बस व्यर्थ समय धन जाता है।।

घुसपैठियों को वोट का अधिकार नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर पर आपत्ति जताने के लिए विपक्ष की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतामढ़ी (बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने को लेकर विपक्षी दलों की शुक्रवार को आलोचना की और कहा कि घुसपैठियों को ''वोट देने का कोई अधिकार नहीं है।

शाह ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राज्य में एसआईआर कवायद पर राजनीति कर रहे हैं।

सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने चाहिए। उन्हें वोट देने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन बिहार में राजद और कांग्रेस एसआईआर का विरोध कर रहे हैं क्योंकि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि लोकसभा चुनाव में बेंगलूरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी की गई, जबकि यह सीट भाजपा ने 32,707 मतों के अंतर से जीती। उन्होंने कहा, महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की जांच की, जहां 1,00,250 वोट चोरी किए गए, 11,965 'डुप्लीकेट' मतदाता बनाए गए, 40,009 फर्जी पतों का इस्तेमाल हुआ, 10,452 मतदाताओं को एक ही पते पर पंजीकृत किया गया, 4,132 मतदाता फर्जी फोटो के साथ सूची में जोड़े गए तथा 33,692 नए मतदाता फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए।

ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्षी दलों के रुख पर शाह ने दावा किया कि संप्रग शासन के दौरान भारत में आतंकवादी हमले अकसर होते थे। उन्होंने कहा, लेकिन अब नरेन्द्र मोदी जी के शासन में भारत अलग है।

सैफ अली खान के परिवार के संपत्ति विवाद में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्लाह खान की शाही संपत्ति से जुड़े दशकों पुराने संपत्ति विवाद को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया गया था। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल चंदुरकर की पीठ ने नवाब हमीदुल्लाह खान के बड़े भाई के वंशजों उमर फारुक अली और राशिद अली की याचिका पर नोटिस जारी किया, जो उच्च न्यायालय के 30 जून के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी।

चुनाव आयोग को राहुल का जवाब

'मैंने संविधान की शपथ ली है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग द्वारा उनसे शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने या माफी मांगने के लिए कहे जाने के बाद शुक्रवार को कहा कि उन्होंने संसद के भीतर संविधान की शपथ ली है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए कहा कि वोट चोरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को एक न एक दिन पकड़ा जाएगा क्योंकि यह एक आपराधिक कृत्य है। इससे पहले चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा था कि राहुल गांधी के पास दो विकल्प हैं, या तो शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या आयोग के खिलाफ बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगे। कांग्रेस नेता ने कहा, चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वो कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है।

उन्होंने दावा किया कि आज जब देश की जनता मतदाता सूची के डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट ही बंद कर दी क्योंकि आयोग जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव हुआ, लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन जीता लेकिन छह महीने बाद आश्चर्यजनक नतीजे आए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सिर्फ पांच महीने के भीतर एक करोड़ नए मतदाताओं ने वोट दिया और इन सभी ने भाजपा को वोट दिया।

शुल्क का मुद्दा हल होने तक

भारत के साथ व्यापार वार्ता की संभावना नहीं : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ शुल्क का मुद्दा हल होने तक उसके साथ व्यापार वार्ता की संभावना से इनकार किया है। ट्रंप से बृहस्पतिवार को ओवल कार्यालय में पूछा गया था कि क्या उन्हें भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा करने के बाद व्यापार वार्ता आगे बढ़ने की उम्मीद है, इस पर उन्होंने कहा, तब तक नहीं जबतक यह मुद्दा हल नहीं हो जाता। पिछले सप्ताह, ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जो सात अगस्त से लागू हो गया।

मोदी ने पुतिन से बात की, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई

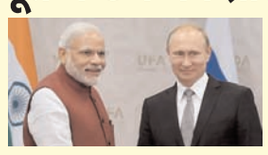

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शुक्रवार को फोन पर बात की और दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पुतिन ने मोदी को यूक्रेन के साथ अपने देश के जारी संघर्ष के बारे में जानकारी दी और प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख को दोहराया।

दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा रहे हैं।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। मैंने यूक्रेन पर नवीनतम घटनाक्रम से अवगत कराने के लिए उनका धन्यवाद किया। हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की और भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

॥ ॐ अर्हम् नमः ॥ ॥ श्री संकट मोचन पार्श्वनाथाय नमः ॥ ॥ श्री धर्म-तीर्थ-शांतिसूरि गुरुभ्यो नमः ॥

दक्षिण भारत की धन्य धरा स्थित नारियलों की नगरी के नाम से विश्व विख्यात
अरसीकेरे समीपवर्ती जाजूर मध्ये विश्व की सबसे बड़ी 108 ईंची गुरु प्रतिमा

योगीराज श्री विजयशांतिसूरि गुरु भगवंत की
प्रतिष्ठा सम्बंधी चढ़ावों की जाजम प्रसंगे

हार्दिक भावभरा आमंत्रण

सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधारकर जिनशासन की शोभा बढ़ावें।

भादरवा वदी 1, रविवार, दि. 10 अगस्त 2025

श्री संभवनाथ जैन भवन, डायगनल रोड़, वी.वी. पुरम, बेंगलूरु

विश्व विख्यात दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के पूर्ण सहयोग से निर्माणाधीन दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ अरसीकेरे में नवनिर्मित योगीराज श्री शांतिसूरि गुरु भगवंत मंदिर का भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा महोत्सव दि. 19.2.2026 से 23.2.2026 तक मनाया जाएगा। इस निमित्त प्रतिष्ठा संबंधी प्रथम जाजम के कार्यक्रम में चढ़ावें बोलें जायेंगे। आप श्री समस्त श्री संघ सहित अवश्य पधारकर पुण्य से प्राप्त लक्ष्मी का सदुपयोग करें।

अवसर आया है महान, अरसीकेरे योगीराज श्री विजयशांतिसूरि गुरु भगवंत मंदिरजी में दे अपना योगदान .....

जाजम के शुभ कार्यक्रम : रविवार, दि. 10 अगस्त 2025
प्रातः 7:15 बजे : श्री सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर, वी.वी. पुरम में श्री संघ का आगमन
प्रातः 7:45 बजे : गाजते बाजते राठौड़ परिवार संग श्री संभवनाथ जैन भवन प्रस्थान
प्रात : शुभ वेला में जाजम का विधि - विधान प्रारंभ
सकल संघ हेतु प्रातः 7:30 बजे से * सुबह का नाश्ता, * सुबह का स्वामीवात्सल्य
* हाई टी * सायं: चौविहार तक संपूर्ण व्यवस्था रहेगी।

दिव्य कृपावर्षा : प.पू. योगीराज आचार्य सम्राट
श्रीमद् विजयशांतिसूरीश्वरजी गुरुभगवंत

* पावन निश्रा *
शासन सौभाग्य तिलक
प.पू. आचार्य श्रीमद् विजय
देवेन्द्ररागरसूरीश्वरजी म.सा.

* प्रेरक एवं मार्गदर्शन *
सिरोही निवासी शासनरत्न
श्री मनोजकुमारजी
बाबुमलजी हरण

भव्य प्रतिष्ठा : विक्रम संवत 2082, फागण सुदी 5
रविवार, दि. 22.02.2026

जाजम संबंधी चढ़ावे
* सभी लाभार्थियों का तिलक द्वारा बहुमान * सभी लाभार्थियों का साफा - चुनड़ी द्वारा बहुमान
* सभी लाभार्थियों का पंचरंगी दुपट्टे से बहुमान * सभी लाभार्थियों का माला द्वारा बहुमान
* सभी लाभार्थियों का श्रीफल द्वारा बहुमान * सभी लाभार्थियों का स्मृति चिन्ह द्वारा बहुमान

प्रतिमा भराना
* योगीराज श्री शांतिसूरि गुरुदेव
* सरस्वती देवी प्रतिमा * पद्मावती देवी प्रतिमा
* गुरुदेव की मंगलमूर्ति (3)

प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावे
* पूजा-पूजन एवं महापूजन * फले चुंदड़ी * नगरी उद्घाटन
* नाश्ता * साधर्मिक वात्सल्य * जय जिनेन्द्र
आंगी, रोशनी, प्रभावना एवं प्रतिष्ठा सम्बंधी अन्य चढ़ावे बोले जायेंगे।

मूहूर्त स्वीकृति के लाभार्थी परिवार

स्व. श्रीमान लूणकरणजी एवं श्रीमती शांतिदेवी चौरड़िया की स्मृति में
ललितजी - संगीता चौरड़िया, चन्द्रेशजी - जिज्ञासा चौरड़िया
लोकेशजी - प्रणिता चौरड़िया, वाणी, अवीर, रिद्धि चौरड़िया
एवं समस्त चौरड़िया परिवार, रायपुर - महासमंद, बागबहारा

जाजम बिछाने के लाभार्थी परिवार

स्व. श्रीमती शांतिबाई - स्व. श. प्रतापचन्दजी राठौड़ के पुण्य स्मृति में
श्रीमती सुशीलाबाई - तारावन्दजी, मीना - दर्शनजी, जियाना, ताश्वी
एवं समस्त राठौड़ परिवार, बेंगलूरु - मुदेबिहाल - रामसीन (राज.)
Rathod Reality Holding, V.V. Puram, Bengaluru

मुनीमजी के लाभार्थी परिवार

पूज्य पिताजी संघवी देवीचन्दजी मातृश्री हुलासीदेवी के दिव्य आशीष से
संघवी सोहनराजजी - शान्तादेवी, वसंतराजजी - सीतादेवी
सुरेशकुमारजी - गुणवंतीदेवी, संदीपजी - अनिता, हितेशजी - विनिता
विकमजी - प्रीति, विमलजी - श्रद्धा, खुश, हीरव, जश, कशव, जिनय, जिनत, रेवा,
पार्थवी, खिया एवं समस्त वेद मुथा परिवार, बीरुर - बेंगलूरु (मरुधर में आऊवा)
Mehta Gold Private Limited, Bangalore

* गायक कलाकार : दिलखुश बाफणा (डी.के.) * संगीतकार आर्यन एण्ड पार्टी

निवेदक : योगीराज श्री विजयशांतिसूरि मंदिर ट्रस्ट, अरसीकेरे, कर्नाटक

प्रतिष्ठा महोत्सव चेयरमेन : धीरज बच्छावत, दुबई - कुन्नूर
प्रधान संयोजक : गौतमचन्द गुगलिया, हैदराबाद
परामर्शक : अशोककुमार सुराना, बेंगलूरु

चेयरमेन ताराचन्द राठौड़
अध्यक्ष सुरेशकुमार वेद मुथा
महासचिव डॉ. विजयकुमार सुराना

सम्पर्क : 88675 63284, 96206 71760, 98452 88857, 86609 18659

॥ प्रगट प्रभावी श्री चिंतामणी पार्श्वनाथाय नमः ॥
॥ शासन सम्राट् श्री विजय नेमि-लावण्य-दक्ष सूरीश्वर सद्गुरुभ्योनमः ॥

बेंगलोर कि धन्यधरा पर पेलेस रोयल ग्राउंड में
सकल श्रीसंघ के शुभ मंगल एवं विश्वशांति निमित्त
श्री पार्श्वनाथ पद्मावती महादेवी का
भव्य महापूजन में
सकलसंघ को पधारने का
भावभरा हार्दिक
आमंत्रण

...पावन प्रेरणा शुभ निश्रा...

बेंगलोर में बिराजीत सर्वगुरुभगवंतो एवं श्रमणीगण एवं समकित सम्राट,
प्रसिद्ध प्रवचनकार परम पूज्य आचार्य गुरुदेव श्री विजय प्रभाकर सूरीश्वरजी म.सा.
पू. मुनिप्रवर श्री महापद्मविजयजी म., पू. मुनिराज श्री श्रीपद्मविजजी म. आदि ठाणा एवं
त्रिस्तुतीक समुदाय के पू. सा. श्री तत्वत्रयाश्रीजी म. आदिठाणा एवं

शुभ दिन : श्रावण वद-१, रविवार
10th August 2025
सुबह : 10.30 बजे से

विधि-विधान : श्री हेमंतभाई, श्री गौरांगभाई, श्री धनंजयभाई, श्री जीग्नेशभाई
भक्तिसंगित : परम देव गुरु भक्त श्री नरेंद्र भाई वाणीगोता, एवं श्री पायलबेन राणावत

तीनों टाइम स्वामि वात्सल्य भोजन, अद्भुत, आनोखा, आज तक न देखा हो वैसा
अति भव्य दिव्य वातावरण में पार्श्वनाथ परमात्मा कि अपूर्व पूजा भक्ती, परमात्मा की परम उपासीका,
सकल संघ का संकट का हरण करनेवाली सर्व वांछित सिद्धि दायीनी, जय विजय प्रदान करनेवाली
राज राजेश्वरी भगवति श्री पद्मावती महा देवी का शास्त्रोक्त आह्वान विधान के साथ पूजा अर्चना हवन के साथ,
संपन्न होगा, आइये पधारीये, सौभाग्यशाली बनीए, अपूर्व अवसर आया हे, एसा दिव्य भव्य अद्भुत अवसर बार-बार नहि आयेगा,
आत्म कल्याण निमित्त प्रभु भक्ति, उर्जा बल शक्ति सामर्थ्य सिद्धी हेतु
श्री पद्मावती महादेवी की उपासना, भक्ति, ता. 10th August 2025
भक्ती उर्जा प्राप्ती का दिवस... पधारो... हार्दिक आमंत्रण...

लि. श्री चींतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ महालक्ष्मी लेआउट एवं
श्रीमति कंचनदेवि प्रेमचंदजी बंबोरी परिवार

श्री पद्मावती जयतु शासन पुण्य लक्ष्मी

महापूजन स्थल : दि ग्रांड केसल 'वाराणसी नगरी'
गेट नं. 6, बेंगलूरु रॉयल पैलेस ग्राउंड, श्री रमणहर्षि रोड, मेकरी सर्कल के पास, बेंगलूरु - 560086

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अजंता इंटरनेशनल कल्चरल अकादमी, वीआईपी योग अकादमी एवं गीतांजलि संस्था के संयुक्त तत्वावधान में पैलेस रोड स्थित कोंडाजी बसपा ऑडिटोरियम में योग, संगीत एवं भरतनाट्यम समूह नृत्य का प्रदर्शन किया गया जिसमें 150 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने इसमें हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।संस्था के डॉक्टर नागेश एवं डॉक्टर लक्ष्मी ने मुणोत को सम्मानित किया।

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ भवन में दीक्षार्थी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में शुक्रवार को मुमुक्षु प्रीत कोठारी का अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि वीर व्यक्ति ही संयम पथ का अनुसरण करता है। जब व्यक्ति के भीतर संयम की चेतना जागृत होती है तभी वह त्याग, वैराग्य के पथ पर अग्रसर होता है।

जब समाधान प्राप्त होता है तब त्याग, वैराग्य की भावना जागृत होती है। मुमुक्षु प्रीत प्राण, वचन, बल से गुरु सन्निधि में समर्पित रहे। मुमुक्षु प्रीत ने अपने विचार व्यक्त किए।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने दीक्षार्थी के संयमी जीवन की मंगलकामना की। साध्वी बोधिप्रभाजी ने एक गीत के माध्यम से मुमुक्षु के संयम जीवन की मंगलकामना की। कार्यक्रम का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

संसार में अज्ञान ही सभी दुखों का कारण है : संत वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को ज्ञान विकास के अनेक आयामों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिसमें आत्म ज्ञान का प्रकाश हो गया फिर उस जीवात्मा को दूसरे किसी भी बाह्य प्रकाश की जरूरत नहीं रहती है। संसार में अज्ञान ही सभी दुखों का कारण है। आशा, तृष्णा, वासना, कामना, इच्छा आदि सब काम के ही रूप है, जो अज्ञान से पैदा होते है। स्वाध्याय ज्ञान प्राप्ति का प्रमुख साधन है। स्वाध्याय करने से अज्ञान रूपी अंधकार दूर होता है और आत्मा में सम्यक ज्ञान का प्रकाश हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य की प्रत्येक प्रवृत्ति में पद पर ज्ञान की आवश्यकता होती है। साधना के परिज्ञान के अभाव में कभी सिद्धि नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि सम्यक ज्ञान जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उपयोगी है वह सुख, शक्ति, ऊर्जा प्रदान करने वाला है। सफलता का द्वार ज्ञान है। प्रारंभ में रूपेशमुनि जी ने अपने विचार व्यक्त किए। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

धराली आपदा: सुबह से 128 और श्रद्धालुओं तथा स्थानीय लोगों को निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली गांव के आसपास के क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है जिसके तहत शुक्रवार को 128 और श्रद्धालुओं तथा स्थानीय लोगों को बाहर निकाला गया।

अब तक बाहर निकाले गए श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की कुल संख्या 566 हो गई है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई मार्गों के क्षतिग्रस्त होने के कारण बचाव और राहत कार्यों को हवाई मार्ग के जरिये अंजाम दिया जा रहा है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अकेले शुक्रवार को दोपहर तक 128 श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को हेलीकॉप्टर के जरिए बाहर निकाला गया। इन लोगों को निकालकर भारत तिब्बत सीमा पुलिस के मातली हेलीपैड पर लाया गया है। पांच अगस्त को दोपहर बाद बादल फटने से खीरगंगा नदी में आयी भीषण बाढ़ में चार लोगों की मृत्यु हो गई थी। आपदास्थल से दो शव बरामद किए गए हैं। उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, आपदा में सेना के नौ जवानों समेत 16 लोग लापता हुए हैं। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि आपदा में लापता हुए लोगों की संख्या कहीं ज्यादा हो सकती हैं क्योंकि घटना के समय वहां निर्माणाधीन होटलों में काम कर रहे नेपाल और बिहार के मजदूर तथा वहां के होटलों में रुके पर्यटक भी थे। उत्तराखंड सरकार के अलावा सेना के चिनूक एवं एम-17 हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है। धराली में लगे मलबे के ढेर में लापता लोगों की तलाश के लिए उन्नत उपकरणों को भी हवाई मार्ग से मौके पर पहुंचाया जा रहा है।

प्रभावित इलाकों में खाद्य तथा अन्य जरूरी सामग्री भी हेलीकॉप्टर के जरिए भेजी जा रही है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक अधिकारी ने कहा कि विभिन्न जगहों पर सड़कें टूटी होने के कारण बचाव अभियान के लिए हवाई मार्ग पर ही अधिक जोर दिया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बचाव एवं राहत कार्यों की देखरेख के लिए बुधवार से ही उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में डेरा डाले हुए हैं। धामी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ..प्रातः काल धराली में जारी राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। हेली सेवा, एमआई 17 और चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से सुबह से ही युद्ध स्तर पर राहत अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सड़क, संचार और बिजली की बहाली के साथ-साथ खाद्यान्न आपूर्ति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

केंद्र ने 47 से 60 रुपए प्रति किलो की दर से टमाटर की बिक्री शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी में टमाटर की 47 से 60 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर खुदरा बिक्री की घोषणा की। इस पहल का मकसद खरीदारों को राहत प्रदान करना है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बताया कि एनसीसीएफ चार अगस्त से आजादपुर मंडी से टमाटर खरीद रहा है और न्यूनतम मुनाफे पर उनकी खुदरा बिक्री कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, आज तक एनसीसीएफ ने खरीद लागत के आधार पर 47 रुपए से 60 रुपए प्रति किलोग्राम की खुदरा कीमतों पर 27,307 किलोग्राम टमाटर बेचे हैं। खुदरा बिक्री एनसीसीएफ के नेहरू प्लेस, उद्योग भवन, पटेल चौक और राजीव चौक स्थित खुदरा दुकानों के साथ-साथ शहर भर में विभिन्न स्थानों पर संचालित छह से सात वैन के माध्यम से की जा रही है। एनसीसीएफ द्वारा पिछले कई वर्षों में भी इसी तरह की पहल की गई है। मंत्रालय ने कहा कि बारिश के कारण दिल्ली में टमाटर की कीमतों में अस्थायी रूप से बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अखिल भारतीय औसत मूल्य स्थिर बना हुआ है। दिल्ली में टमाटर का वर्तमान औसत खुदरा मूल्य 73 रुपए प्रति किलोग्राम है, जिसका मुख्य कारण जुलाई के अंतिम सप्ताह से उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश है। मंत्रालय ने बयान में कहा, मौसम संबंधी इस व्यवधान के कारण जुलाई के अंत तक कीमतें 85 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं। हालांकि, पिछले सप्ताह आजादपुर मंडी में दैनिक आवक में सुधार और स्थिरता के साथ मंडी और खुदरा कीमतों दोनों में गिरावट आनी शुरू हो गई है। देश भर के विभिन्न केंद्रों पर खुदरा कीमतें किसी बुनियादी मांग-आपूर्ति असंतुलन या उत्पादन में कमी के बजाय अस्थायी स्थानीय कारकों से प्रभावित होती हैं।

मेरे राजनीतिक कदमों से अक्सर कुछ लोगों को परेशानी होती है, लेकिन मुझे परवाह नहीं : शिंदे

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि उनके राजनीतिक कदम अक्सर कुछ लोगों की परेशानियां बढ़ा देते हैं, लेकिन लोग क्या सोचते हैं, इस बात की परवाह किए बगैर वह अपना काम जारी रखते हैं। ठाणे में एक समारोह के दौरान शिवसेना प्रमुख ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए राजनीतिक परिवर्तनों पर बात की और कहा कि महाराष्ट्र में 2022 का सत्ता परिवर्तन एक ऐसा जोखिम था, जिसे केवल एक साहसी व्यक्ति ही उठा सकता था।

शिंदे ने जून 2022 में संयुक्त शिवसेना अध्यक्ष व तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद कर दिया। शिंदे और शिवसेना के लगभग 40 अन्य विधायकों के विद्रोह के कारण ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार गिर गई। बाद में ठाकरे के स्थान पर शिंदे मुख्यमंत्री बने और नवंबर 2024 तक वह इस पद पर बने रहे। हाल ही में अपनी दिल्ली यात्रा का उल्लेख करते हुए शिंदे ने कहा कि उनके राजनीतिक कदमों से महाराष्ट्र में कुछ लोगों में घबराहट पैदा होती है, लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा, कुछ लोगों को परेशानी हुई, लेकिन मैं इसकी चिंता नहीं करता और अपना काम जारी रखता हूं। शिंदे अपने राजनीतिक क्षेत्र ठाणे में एक मराठी समाचार पत्र के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि महाराष्ट्र सरकार मैंग्रोव की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक नई नीति तैयार करने की प्रक्रिया कर रही है। मैंग्रोव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उपमुख्यमंत्री ने खारे पानी में पनपने वाले तटीय आर्द्रभूमि वृक्षों के दीर्घकालिक अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित नीति की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

बांग्लादेश में लालमोनिरहाट एयरबेस से संबंधित खबरों का संज्ञान लिया: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बांग्लादेश के लालमोनिरहाट एयरबेस से संबंधित खबरों का संज्ञान लिया है। सरकार ने लोकसभा को सूचित किया।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि सरकार ने 26 मई को बांग्लादेश सेना के सैन्य संचालन निदेशक द्वारा आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग का भी संज्ञान लिया है, जिसमें कहा गया है कि ''लालमोनिरहाट एयरफील्ड को सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है''। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या बांग्लादेश ने अपने लालमोनिरहाट एयरबेस पर ''चीन को फिर से परिचालन शुरू करने के लिए अधिकृत किया है'' और क्या सरकार ने इस संबंध में बांग्लादेश के समक्ष ''अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

सिंह ने अपने उत्तर में कहा, भारत सरकार ने बांग्लादेश के लालमोनिरहाट एयरबेस से संबंधित खबरों का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सभी घटनाक्रमों पर नजर रखती है और इसकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती है।

भाजपा ने कांग्रेस की वोट अधिकार रैली को 'राजनीतिक नौटंकी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने बेंगलूरु में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में हुई वोट अधिकार रैली' को शुक्रवार को एक ''राजनीतिक नौटंकी'' करार दिया। विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करके और साथ ही 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कर्नाटक में फर्जी मतदाताओं का आरोप लगाकर दोहरा मापदंड अपना रही है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राहुल गांधी बिहार में एसआईआर का विरोध करते हैं और चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाते हैं। वह हताशा में ये बयान दे रहे हैं। विजयेंद्र ने बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर टिप्पणी करते हुए यह बात कही। 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित रैली में राहुल के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक और कई अन्य नेता शामिल हुए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि कांग्रेस को बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सात विधानसभा क्षेत्रों में से छह में बढ़त मिली लेकिन वह महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में पीछे रह गई जिससे भाजपा को सीट जीतने में मदद मिली। विजयेंद्र ने कहा, राहुल गांधी के दावों में कोई सच्चाई नहीं है और हम उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। यह सब एक राजनीतिक नौटंकी है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि राहुल के पास 2024 में चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिन के भीतर शिकायत दर्ज कराने का अवसर था, लेकिन उन्होंने इसका उपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सवाल राहुल को नहीं, बल्कि उम्मीदवार को उठाना चाहिए था। विजयेंद्र ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की कांग्रेस नेताओं की मांग को हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि राहुल ने बृहस्पतिवार को अपने संवाददाता सम्मेलन में 'डुप्लीकेट' (एक मतदाता के नाम मतदाता सूची में अनेक जगह होना) मतदाता, फर्जी मतदाता और 'बल्क' (बड़ी संख्या में एक ही पते पर पंजीकृत) मतदाता का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि इन सभी विसंगतियों को दूर करने के लिए निवार्चन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची का एसआईआर शुरू किया है। उन्होंने कहा, ''तो फिर राहुल गांधी और कांग्रेस बिहार में एसआईआर का विरोध क्यों कर रहे हैं?'' विजयेंद्र ने बताया कि 2005 में जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और उन्हें मतदाता सूची में शामिल किए जाने का मुद्दा ममता बनर्जी ने बतौर सांसद लोकसभा में उठाया था।

सीएपीएफ और एनडीआरएफ के कर्मियों को रेल यात्रा में प्राथमिकता : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों को रेल यात्रा के दौरान आपातकालीन कोटे के तहत आरक्षण प्रदान करने में प्राथमिकता दी जाती है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और असम राइफल्स के कर्मियों को, ड्यूटी पर या अन्यथा यात्रा करते समय, आपात कोटे से आरक्षण देने हेतु स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं।

वैष्णव ने कहा, वर्ष 2022-23 से 2025-26 (जून 2025 तक) की अवधि में पुलिस, बीएसएफ और सीआरपीएफ के 3.94 लाख से अधिक यात्रियों को आपातकालीन कोटे के तहत यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह पहल सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुविधा और सम्मान के लिए की गई है ताकि उन्हें अपनी ड्यूटी या व्यक्तिगत कार्यों के लिए यात्रा करने में कठिनाई न हो।

ऑनलाइन बुकिंग से समय और पैसे की बचत होती है: रेलवे मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कहा कि आईआरसीटीसी द्वारा आरक्षित टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा यात्रियों को आरक्षण काउंटरों पर प्रतीक्षा की झंझट से बचाती है, जिससे समय और यात्रा खर्च दोनों की बचत होती है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने उनसे जानना चाहा था कि क्या आईआरसीटीसी, यूपीआई या अन्य डिजिटल माध्यमों से टिकट बुक करने पर नॉन-एसी टिकटों पर 10 रुपए और एसी टिकटों पर 20 रुपए की अतिरिक्त राशि वसूलता है, और यदि हां, तो कैशलेस अर्थव्यवस्था और यूपीआई को बढ़ावा देने की सरकारी नीति के बावजूद यह शुल्क क्यों लिया जाता है। इसके जवाब में मंत्री वैष्णव ने कहा, आईआरसीटीसी को ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा उपलब्ध कराने में पर्याप्त खर्च करना पड़ता है।

भारत व्यापार समझौते में किसानों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों से बचाकर रखे: एसबीआई रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के दौरान भारत को अपने किसानों के हितों को वैश्विक कंपनियों के शोषणकारी तरीकों से बचाकर रखना चाहिए। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियां कृषि बाजार के स्थायी बुनियादी ढांचे में निवेश, कृषि मूल्य-शृंखला वित्त पोषण में हिस्सेदारी और किसानों के कल्याणकारी कार्यक्रमों का हिस्सेदार बने बगैर ही भारतीय बाजार में हिस्सेदारी हासिल करना चाह सकती हैं। रिपोर्ट कहती है, भारत को रणनीतिक रूप से अपनी संप्रभुता की रक्षा करते हुए, अपने किसानों को चुनिंदा वैश्विक समूहों के शोषणकारी तरीकों की संभावना से बचाना जारी रखना चाहिए।

एसबीआई की यह शोध रिपोर्ट भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार वार्ता के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम, एथेनॉल और डेयरी उत्पादों पर शुल्क घटाने की मांग कर रहा है लेकिन भारत इसके लिए तैयार नहीं है।

भारत और अमेरिका के बीच इस माह के अंत में व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता होने वाली है। इसके लिए अमेरिकी दल के महीने के उत्तरार्द्ध में भारत आने की उम्मीद है।

पुराने वाहनों पर प्रतिबंध के संबंध में कोई शोध नहीं किया गया: सीएक्यूएम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने स्वीकार किया है कि उसने 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर कोई शोध या अध्ययन नहीं किया है।

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पुराने वाहनों से प्रदूषण होने का हवाला देते हुए उन पर प्रतिबंध लगाए गए हैं।

पर्यावरणविद् अमित गुप्ता ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत एक अर्जी दाखिल की थी, जिसके जवाब में सीएक्यूएम ने कहा कि उसने ऐसे वाहनों के प्रभाव के बारे में कोई अनुसंधान या अध्ययन नहीं किया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या कोई अन्य शोध हुआ जो प्रतिबंध का आधार बना, इस पर आयोग ने कहा कि इस्तेमाल लायक नहीं बचे (ईओएल) वाहनों पर प्रतिबंध राष्ट्रीय हरित अधिकरण के ''वर्धमान कौशिक बनाम भारत संघ एवं अन्य'' तथा ''एम सी मेहता बनाम भारत संघ एवं अन्य'' में दिए गए उच्चतम न्यायालय के आदेश से उत्पन्न हुआ है।

पिछले महीने सीएक्यूएम ने अपने पूर्व के निर्देश के क्रियान्वयन पर 31 अक्टूबर तक रोक लगा दी थी कि दिल्ली में पेट्रोल पंप पुराने वाहनों को डीजल या पेट्रोल नहीं दें। यह निर्णय तब लिया गया जब दिल्ली सरकार ने एक जुलाई से इस कदम को लागू करने में ''परिचालन और बुनियादी ढांचे संबंधी चुनौतियों'' का हवाला दिया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में ऐसे 62 लाख वाहन हैं, जिनमें 41 लाख दोपहिया वाहन शामिल हैं। एनसीआर में यह संख्या लगभग 44 लाख है, जिनमें से ज़्यादातर गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत में हैं।

जुलाई के आदेश में कहा गया था कि दिल्ली में ईंधन पर प्रतिबंध स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) कैमरे लगाने के बाद एनसीआर के उच्च-वाहन घनत्व वाले पांच जिलों में एक नवंबर से एक साथ लागू किया जाएगा। यह व्यवस्था अगले साल एक अप्रैल से एनसीआर के बाकी जिलों में भी लागू की जाएगी।

दिल्ली सरकार ने सीएक्यूएम को बताया कि एएनपीआर प्रणाली का उद्देश्य ईओएल वाहनों की पहचान करने के लिए वाहन डेटाबेस के आधार पर नंबर प्लेटों की जांच करना है, लेकिन यह प्रणाली सॉफ्टवेयर संबंधी गड़बड़ियों, सेंसरों में खराबी और पड़ोसी राज्यों के वाहन डेटाबेस के साथ एकीकृत न होने की समस्या का सामना कर रही है।

स्कूल फीस वृद्धि पर विधेयक बताता है कि शिक्षा कोई व्यावसायिक उद्यम नहीं : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जाने वाली फीस वृद्धि को विनियमित करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक का व्यापक संदेश यह बताना है कि शिक्षा कोई व्यावसायिक उद्यम नहीं है।

गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, यह पहली बार है कि कोई सरकार दिल्ली में स्कूली बच्चों के अभिभावकों के साथ खुलकर खड़ी है। आम आदमी पार्टी अब बगलें झांक रही है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने वह सब किया जो वह (आप) दिल्ली में सत्ता में रहते हुए नहीं कर सकी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मानसून सत्र के पहले दिन 'दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025' पेश किया। इस विधेयक पर विधानसभा में दिन में बाद में चर्चा की जाएगी और पारित किया जाएगा। सदन के सदस्यों को इसकी धाराओं में संशोधन प्रस्तावित करने की अनुमति भी दी गई है।

यह विधेयक दिल्ली के सभी निजी, मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों की फीस को एक त्रि-स्तरीय मूल्यांकन और अनुमोदन प्रणाली के माध्यम से विनियमित करने का प्रयास करता है, जिसके लिए विशेष समितियां गठित की जाएंगी। उल्लंघन की स्थिति में कड़े दंड का प्रावधान है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बृहस्पतिवार को बताया कि दिल्ली के सभी निजी और गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों को, चाहे वे कहीं भी स्थित हों, अब से शुल्क में वृद्धि करने से पहले सरकार की अनुमति लेनी होगी। उन्होंने बताया कि अब तक सरकार द्वारा आवंटित भूमि पर बने केवल 350 विद्यालयों को ही शुल्क वृद्धि से पहले सरकार की मंजूरी लेनी पड़ती थी।

आशीष सूद के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली विधानसभा में मुख्य विपक्षी आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने विधेयक को ध्यान भटकाने वाला बताया। उन्होंने कहा, भाजपा के मंत्री दिल्ली के मध्यम वर्ग को गुमराह कर रहे हैं। यह विधेयक 350 से ज़्यादा निजी विद्यालयों को उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के उन फैसलों से बचाने के लिए बनाया गया है, जिनके तहत पहले उनकी शुल्क संरचना पर कड़ी निगरानी रखी जाती थी।

मैंने ली है संविधान की शपथ, क्या चुनाव आयोग भाजपा का एजेंट बन चुका है ?: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग द्वारा उनसे शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने या माफी मांगने के लिए कहे जाने के बाद शुक्रवार को उस पर पलटवार किया और कहा कि उन्होंने संसद के भीतर संविधान की शपथ ली है तथा इस संवैधानिक संस्था को बताना चाहिए कि क्या वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एजेंट बन गई है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए यह चेतवानी दी कि ''वोट चोरी'' के लिए जिम्मेदार चुनाव आयोग के अधिकारियों को एक न एक दिन पकड़ा जाएगा क्योंकि यह एक ''आपराधिक कृत्य'' है। इससे पहले चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा था कि राहुल गांधी के पास दो विकल्प हैं, या तो शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या आयोग के खिलाफ बेतुके आरोपों के लिए माफी मांगे।

कांग्रेस नेता ने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वो कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है। उन्होंने दावा किया कि आज जब देश की जनता मतदाता सूची के डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट ही बंद कर दी क्योंकि आयोग जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा।

राहुल गांधी ने सवाल किया, विपक्ष को डिजिटल मतदाता सूची क्यों नहीं मिल रही? सीसीटीवी और वीडियो सबूत मिटाए जा रहे हैं, ऐसा क्यों और किसके कहने पर हो रहा है? फर्जी मतदान और मतदाता सूची में गड़बड़ी क्यों की गई? विपक्षी नेताओं को क्यों डराया, धमकाया जा रहा है? साफ-साफ बताओ कि क्या चुनाव आयोग अब भाजपा का एजेंट बन चुका है? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि यदि चुनाव आयोग इलेट्रॉनिक डेटा उपलब्ध करा दे तो कांग्रेस यह साबित कर देगी कि नरेन्द्र मोदी वोट चोरी करके देश के प्रधानमंत्री बने है कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक सरकार को इसकी जांच करनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''संविधान हर नागरिक को एक वोट का अधिकार देता है, उस पर चुनाव आयोग और उसके अधिकारी आक्रमण कर रहे हैं। जो अधिकारी ऐसा कर रहे हैं, वो नहीं बचेंगे। समय लगेगा लेकिन हम उन्हें पकड़ेंगे।'' उन्होंने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, ''अगर आप (अधिकारी) इस पर आक्रमण करेंगे तो हम पर आक्रमण करेंगे।'' राहुल गांधी ने कहा, ''हमारी मांग है कि चुनाव आयोग पूरे देश की मतदाता सूची को डिजिटल स्वरूप में प्रदान करे और सीसीटीवी फुटेज दे। अगर हमें यह मिलता है तो हम यह साबित कर देंगे कि वोट चोरी सिर्फ कर्नाटक में नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान में की गई है।'' उन्होंने दावा किया कि यदि इलेक्ट्रॉनिक डेटा मिल जाए तो वह यह साबित कर देंगे कि प्रधानमंत्री वोट की चोरी करके इस पद पर आए हैं। राहुल गांधी ने यह दोहराया कि सिर्फ 25 सीटों के कारण आज नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के पद पर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव हुआ। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में हमारा गठबंधन जीता लेकिन छह महीने बाद आश्चर्यजनक नतीजे आए।''

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सिर्फ पांच महीने के भीतर एक करोड़ नए मतदाताओं ने वोट दिया और इन सभी ने भाजपा को वोट दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव आयोग से डिजिटल मतदाता सूची और मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज मांगे गए तो उसने इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद बेंगलूरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का अध्ययन किया गया।

राहुल गांधी ने कहा, यह साबित हो गया कि लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में भाजपा ने वोट की चोरी की है। उन्होंने दावा किया कि महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के विश्लेषण से स्पष्ट हो गया है कि हर छह वोट में से एक वोट की चोरी की गई है। बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक और कई अन्य नेता शामिल हुए।इस सभा से एक दिन पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेंगलूरु के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का डेटा सामने रखते हुए आरोप लगाया था कि मतदाता सूची में हेरफेर करके वोट चोरी का मॉडल भारतीय जनता पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए लागू किया गया है। उन्होंने दावा किया था कि यह सब भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रहा है तथा यह संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने दिल्ली में बृहस्पतिवार को संवाददाताओं के समक्ष महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची के आंकड़ों की प्रस्तुति दी थी। राहुल गांधी ने कहा था कि बेंगलूरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी की गई, जबकि यह सीट पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 32,707 मतों के अंतर से जीती थी।

चुनाव आयोग इलेक्ट्रॉनिक डेटा दे,साबित कर देंगे कि मोदी वोट चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूची में कथित धांधली के मुद्दे पर शुक्रवार को दावा किया कि यदि चुनाव आयोग इलेट्रॉनिक डेटा उपलब्ध करा दे तो कांग्रेस यह साबित कर देगी कि नरेन्द्र मोदी वोट चोरी करके देश के प्रधानमंत्री बने हैं। राहुल गांधी ने बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए कहा कि इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को एक न एक दिन पकड़ा जाएगा क्योंकि यह एक अपराधिक कृत्य है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक सरकार को इसकी जांच करनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''संविधान हर नागरिक को एक वोट का अधिकार देता है, उस पर चुनाव आयोग और उसके अधिकारी आक्रमण कर रहे हैं। जो अधिकारी ऐसे कर रहे हैं, वो नहीं बचेंगे। समय लगेगा लेकिन हम उन्हें पकड़ेंगे।'' उन्होंने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, ''अगर आप (अधिकारी) इस पर आक्रमण करेंगे तो हम पर आक्रमण करेंगे।'' राहुल गांधी ने कहा, हमारी मांग है कि चुनाव आयोग पूरे देश की मतदाता सूची को डिजिटल स्वरूप में प्रदान करे और सीसीटीवी फुटेज दे। अगर हमें यह मिलता है तो हम यह साबित कर देंगे कि वोट चोरी सिर्फ कर्नाटक में नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान में की गई है। उन्होंने दावा किया कि यदि इलेक्ट्रॉनिक डेटा मिल जाए तो वह यह साबित कर देंगे कि प्रधानमंत्री वोट की चोरी करके इस पद पर आए हैं। राहुल गांधी ने यह दोहराया कि सिर्फ 25 सीटों के कारण आज नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के पद पर हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, पिछले चुनाव में हमारे सामने ये प्रश्न उठा। लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव हुआ। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में हमारा गठबंधन जीता लेकिन छह महीने बाद आश्चर्यजनक नतीजे आए।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सिर्फ पांच महीने के भीतर एक करोड़ नए मतदाताओं ने वोट दिया और इन सभी ने भाजपा को वोट दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव आयोग से डिजिटल मतदाता सूची और मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज मांगे गए तो उसने इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद बेंगलूरु मध्य लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का अध्ययन किया गया।

राहुल गांधी ने कहा, यह साबित हो गया कि लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में भाजपा ने वोट की चोरी की है। उन्होंने दावा किया कि महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के विश्लेषण से स्पष्ट हो गया है कि हर छह वोट में से एक वोट की चोरी की गई है। बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक और कई अन्य नेता शामिल हुए।

मैं चुनावी धोखाधड़ी के कारण 2019 का लोकसभा चुनाव हारा : खरगे

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को दावा किया कि गुलबर्गा संसदीय क्षेत्र से 2019 के लोकसभा चुनाव में उनकी हार चुनावी धोखाधड़ी' कारण हुई थी। खरगे को अपने राजनीतिक जीवन में 2019 को छोड़कर कभी हार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने यहां कांग्रेस की 'वोट अधिकार रैली' में दावा किया कि वह चुनावी धांधली का शिकार हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मैंने अपने जीवन में 12 से ज़्यादा चुनाव जीते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में मैं अपने जीवन में पहली बार चुनावी धोखाधड़ी के कारण हार गया था।''

उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2019 के संसदीय चुनाव में गुलबर्गा लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले पांचों विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में 20,000 तक वोट 'फर्जी मतदान' के जरिए हासिल किए गए।

प्रधानमंत्री का दौरा : केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 अगस्त को केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन के दौरे को देखते हुए, स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय पुलिस ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। सुरक्षा उपायों में बम-सूँघने वाले डॉग स्क्वॉड, अतिरिक्त आरपीएफ, रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) और जीआरपी कर्मियों की तैनाती, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर, हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर का उपयोग शामिल है। स्टेशन के सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर सख्त प्रवेश नियंत्रण होगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर और प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/आरपीएफ, हुब्बल्ली आरएसपी सिंह ने शुक्रवार को व्यवस्थाओं की समीक्षा की। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध है कि वे सुरक्षा कर्मचारियों के साथ सहयोग करें और जाँच के लिए समय से पहले स्टेशन पहुँचें। प्रधानमंत्री केएसआर बेंगलूरु और बेलगावी के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा को हरी झंडी दिखाने के लिए स्टेशन पर आएंगे।

वोट चोरी का संज्ञान लेने के बजाय हलफनामे के पीछे छिपने की कोशिश में चुनाव आयोग : खरगे

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राहुल गांधी द्वारा किए वोट चोरी के खुलासे का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने के बजाय शपथ और हलफनामे के पीछे छिपने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बेंगलूरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है और इस मामले में आखिर तक लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी पर बड़ा खुलासा किया है।

उन्होंने कहा, चुनाव आयोग की बेशर्मी देखिए कि लोकसभा में विपक्ष के नेता के संवाददाता सम्मेलन का संज्ञान लेने और जनहित में उस पर कार्रवाई करने के बजाय, वह फिर से अपने कर्तव्य से भटकने और शपथ एवं हलफनामों के पीछे छिपने की कोशिश कर रहा है।

धर्मस्थल विवाद : उच्चतम न्यायालय ने मीडिया कवरेज पर रोक लगाने से किया इनकार

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कर्नाटक के धर्मस्थल क्षेत्र में कथित सामूहिक दफन मामले की मीडिया कवरेज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कर्नाटक की एक निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह धर्मस्थल मंदिर के सचिव द्वारा दायर याचिका पर नए सिरे से निर्णय ले।

सचिव ने याचिका में मंदिर का प्रबंधन करने वाले परिवार को निशाना बनाने वाली कथित अपमानजनक सामग्री को हटाने का अनुरोध किया था।शीर्ष अदालत ने कहा कि केवल दुर्लभ मामलों में ही कवरेज पर रोक के आदेश दिए जाते हैं।

इसने याचिकाकर्ता से कहा कि वह सभी सामग्री निचली अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे। पीठ ने स्पष्ट किया कि उसने मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को बेंगलूरु की एक दीवानी अदालत द्वारा जारी उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कथित रूप से सामूहिक दफन मामले की मीडिया कवरेज पर रोक लगा दी गई थी।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094196, 4184, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, पीण्या, बेंगलूरु-58, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। (फोन : 08028094541, 4186)

1	कार्य का नाम	आईडीएसएन परिसर, इस्ट्रैक, ब्यालालु, बेंगलूरु में 200 किलोवाट क्षमता वाले पुराने सौर ऊर्जा संयंत्र का पुनरुद्धार	इसरो हाउसिंग कॉलोनी, जालाहल्ली, बेंगलूरु में स्ट्रीट लाइट, कॉमन एरिया लाइटिंग और केबल के लिए लाइट फिटिंग और अर्थिंग का नवीनीकरण।
2	ई-निविदा सूचना क्र.	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-52 /2025-2026 दिनांक 08.08.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-53 /2025-2026 दिनांक 08.08.2025
3	निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 23.09 लाख	रु. 23.35 लाख
4	निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
5	कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	पाँच (05) महीने	तीन (03) महीने
6	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	09.08.2025 को 16.00 बजे से 23.08.2025 को 16.00 बजे तक	
7	बोली स्पष्टीकरण	10.08.2025 को 11.00 बजे से 24.08.2025 को 16.00 बजे तक	
8	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	25.08.2025 को 16.00 बजे तक	
9	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	26.08.2025 को 16.00 बजे तक	
10	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	28.08.2025 को 11.00 बजे के बाद से	
11	ईएमडी	रु. 46,180/-	रु. 46,700/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

पूरे राज्य में मतदाता सूची में अनियमितताओं की जाँच के लिए चुनाव आयोग से अपील : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, हमने चुनाव आयोग से पूरे राज्य में मतदाता सूची में अनियमितताओं की जाँच करने का अनुरोध किया है। केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल बेंगलूरु स्थित राज्य चुनाव आयोग कार्यालय गया और महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में मतदाता सूची में अनियमितताओं के बारे में शिकायत दर्ज कराई। बाद में, शिवकुमार ने मीडिया को बताया।

उन्होंने कहा, हमने आज अपने नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व में अन्याय के खिलाफ लड़ने और मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन किया। अदालत के आदेश को ध्यान में रखते हुए, पार्टी के कुछ ही नेताओं ने चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च न करने का फैसला किया है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव कितना अनुचित था। यह एक अन्याय है जो पूरे राज्य में हुआ है। हमने केवल कुछ क्षेत्रों का अध्ययन किया है। हमने पाँच या छह क्षेत्रों का उल्लेख किया है और अनुरोध किया है कि पूरे राज्य में मतदाता सूची की जाँच की जाए।

उन्होंने बताया, हमने महादेवपुरा और गांधीनगर के नमूने आयोग को सौंपे हैं। राहुल गांधी ने कल मीडिया कॉन्फ्रेंस में जो जारी किया, वह तो बस एक उदाहरण है। राज्य के कुछ हिस्सों में इस तरह का अन्याय हुआ है और हमें हर जगह निरीक्षण करके इस अवैधता का पता लगाना चाहिए। हमने मांग की है कि इस अवैधता में शामिल सभी लोगों, जिनमें रिटर्निंग ऑफिसर और बीएलओ भी शामिल हैं, के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया, एक ही मतदाता का नाम पाँच जगहों पर शामिल करना, बिना घर के पते वाले मतदाता सूची में नाम शामिल करना, खाली प्लॉट के पते पर फर्जी वोट डालना और वोटों को आस-पास के बूथों पर स्थानांतरित करना जैसी अनियमितताओं के पर्याप्त सबूत हैं। इसलिए, हमने आयोग को 8-10 बिंदुओं वाला एक प्रस्ताव सौंपा है। हमने आयोग से पूछा है कि हमें मतदाता सूची के डिजिटल संस्करण सहित किस तरह की जानकारी चाहिए, लेकिन हमने पूरी जानकारी नहीं दी है। यह तथ्य कि आयोग के अधिकारियों ने अनियमितताओं की जाँच शुरू कर दी है, स्वागत योग्य है।

चामराजपेट और वरुणा विधानसभा क्षेत्रों में डबल एनरोल के बारे में अरविंद लिंबावली की जानकारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, वरुणा, चामराजपेट, कनकपुरा, चाहे कोई भी विधानसभा क्षेत्र हो। यह गलती हर जगह एक गलती है। कार्रवाई होनी चाहिए।

अंत्योदय के सपने को साकार करने में जुटी हमारी सरकार : शर्मा

मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजन बहनों के साथ किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विशेष योग्यजन समाज का अभिन्न अंग है। एक समावेशी तथा संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए विशेष योग्यजन की समान भागीदारी अति आवश्यक है। इसके लिए राज्य सरकार दिव्यांगजनों को केन्द्र में रखकर निरंतर कार्य कर रही है तथा उन्हें सशक्त बनाने के लिए कृत्संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की परिकल्पना अंत्योदय को साकार करने में जुटी हुई है। शर्मा ने प्रदेशवासियों से एकात्म मानववाद तथा नागरिक कर्तव्यों को निभाते हुए प्रत्येक जरूरतमंद की मदद करने की अपील की।

शर्मा शुक्रवार को जामडोली के सामाजिक न्याय संकुल परिसर में आयोजित 'विशेष योग्यजन बहन सम्मान दिवस समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है, जो आपसी स्नेह, विश्वास और संरक्षण की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि आपका ये भाई आप सभी बहनों की सुरक्षा, सम्मान के साथ ही सभी को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कई योजनाएं एवं नवाचारों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में दिव्यांगजनों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए 'समान अवसर नीति 2025' लाई गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत प्रथम संतान के जन्म के समय दी जाने वाली राशि 5 हजार से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये की है। इस योजना में दिव्यांग गर्भवती महिला को 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा विधवाओं, एकल नारियों तथा दिव्यांग व्यक्तियों को दी जा रही पेंशन को बढ़ाकर 1 हजार 250 रुपये प्रति माह किया गया है।

कार्यक्रम में ना किसी भी तरह की औपचारिकता थी और ना ही मंचीय दूरी। पूरे वातावरण में केवल आत्मीयता और अपनापन का अहसास हो रहा था। जब कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को विशेष योग्यजन बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा तो उनके स्नेह से सभी भावुक हो गए। कार्यक्रम में लक्ष्मी ने मुख्यमंत्री के समक्ष 'आ चल के तुझे मैं ले के चलूं एक ऐसे गगन के तले.....' गीत गाया। इस सरल और अपनेपन से गाए हुए गीत ने सभी के दिल को छू लिया। इस दौरान दिव्यांगजनों ने बैंड वादन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चियों को अपने समीप बिठाकर संवाद भी किया। तनु ने कुरकुरे, मिठाई, समोसा खाने की इच्छा व्यक्त की, वहीं पूजा ने घूमने की इच्छा जाहिर की। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों की मासूम ख्वाहिशों को पूरा करने का भरोसा दिया। कार्यक्रम के अंत में शर्मा ने दिव्यांगजनों को खीर प्रसादी भी वितरित की।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंत्योदय के लक्ष्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जामडोली में 200 करोड़ रुपये की लागत से स्वयंसिद्धा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का चरणबद्ध रूप से निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजनों को डिजिटल हियरिंग और लर्निंग किट सौंपी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने परिसर में सिंदूर का पौधा लगाया। उन्होंने सभी बालिकाओं से संवाद किया तथा उन्हें पर्यावरण को संरक्षण करने का संदेश दिया।

उन्होंने विशेष योग्यजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल भेंट की। शर्मा ने राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह के बालक-बालिकाओं द्वारा हस्तनिर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों को सराहा। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता श्रीमती अपर्णा अरोडा, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आशीष मोदी, 'अपना घर' के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज एवं बड़ी संख्या में दिव्यांग बहनें मौजूद रही।

माउंट आबू में गुजरात के पर्यटक की चाकू मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माउंट आबू। राजस्थान में पर्यटन स्थल माउंट आबू थाना क्षेत्र में आबूरोड मार्ग पर गुरुवार को अज्ञात बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर माउंट आबू आये गुजरात के एक पर्यटक की चाकू मारकर हत्या कर दी जबकि एक अन्य को घायल कर दिया।

थाना प्रभारी प्रदीप डांगा ने शुक्रवार को बताया कि गुजरात के बनासकांठा के नरेश भाई ने पुलिस को शिकायत की कि वह अपने मौसेरे भाई हितेश चौधरी के साथ धानेरा से मोटर साइकिल पर माउंट आबू घूमने के लिये रवाना हुआ।

दोपहर में माउंट आबू की चढ़ाई करते हुए बाघनाला से छीपाबेरी चौकी की तरफ आ रहे थे कि मोबाइल फोन पर किसी की कॉल आने पर वे रुके। तभी दो मोटर साइकिलों पर सवार छह युवक आये और वे मोटर साइकिल की चाबी निकालने लगे। उन्होंने बताया कि नरेश ने बताया है कि जब उन्हें रोका गया तो उन युवकों ने उसके सिर पर चाकू से वार किया जो हेल्मेट पर लगा, जिससे वह बच गया। फिर उन युवकों ने पीछे बैठे हितेश पर चाकुओं से ताबड़ तोड़ वार कर दिये। वे युवक उसका मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गये। वह हितेश को आबू रोड सरकारी अस्पताल ले गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डांगा ने बताया कि उसकी शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके आसपास नाकाबंदी करवाकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी स्थानीय हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद है।

राजस्थान में बारिश में कमी आने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी सप्ताह बारिश संबंधी गतिविधियों में कमी आने और इस दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह बारिश की गतिविधियों में कमी रहेगी और उत्तर-पश्चिमी भागों में रविवार से कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसी तरह पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में भी आगामी एक सप्ताह बारिश की गतिविधियों में कमी रहने की संभावना है। उसने बताया कि हालांकि शनिवार से उत्तर-पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी और शनिवार से मंगलवार तक भरतपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर एवं जयपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है।

केंद्र ने बताया कि आगामी एक सप्ताह राज्य में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। उसने अनुमान जताया कि 15 से 21 अगस्त के दौरान राज्य के अधिकांश भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के दक्षिणी भाग में सामान्य से अधिक एवं शेष भाग में सामान्य के आसपास बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। राज्य में सर्वाधिक वर्षा भरतपुर जिले में (20.0 मिलीमीटर) दर्ज की गई। सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में (38.2 डिग्री सेल्सियस) रहा।

संस्कृत : संस्कृति की मूल आत्मा : देवनानी

जयपुर, 08 अगस्त। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने श्रावण मास की पूर्णिमा और संस्कृत दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत दिवस का उद्देश्य भारत की प्राचीनतम और वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के प्रति जनजागरण, सम्मान और अभ्यास को प्रोत्साहित करना है। श्रावण पूर्णिमा का दिन संस्कृत दिवस के लिए विशेष महत्व रखता है। देवनानी ने कहा कि संस्कृत की सरलता, स्पष्टता एवं वैज्ञानिकता इसे विश्व की विशिष्ट भाषाओं में स्थान दिलाती है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा, दर्शन, विज्ञान और संस्कृति की मूल आत्मा है। इसे संरक्षित रखना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। देवनानी ने कहा कि संस्कृत, भारत की प्राचीनतम भाषा है। यह भाषा भारतीय संस्कृति, साहित्य, दर्शन, और विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

संस्कृत दिवस का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और इसके अध्ययन को बढ़ावा देना है। यह दिवस प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को याद करने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करता है। अपनी जड़ों से जुड़ने और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के लिए भी संस्कृत दिवस प्रेरित करता है। देवनानी ने कहा कि देश में ही नहीं, विदेशों में भी संस्कृत उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कन्हैया लाल के बेटों ने 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म देखी, न्याय की गुहार लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर में साल 2022 में नृशंस तरीके से मारे गए कन्हैया लाल के बेटों ने बृहस्पतिवार को इस हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' देखी। यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कन्हैयालाल के दोनों बेटों यश और तरुण ने उदयपुर के एक सिनेमा हॉल में फिल्म देखी, जहां कन्हैया लाल को श्रद्धांजलि देने के लिए एक सीट आरक्षित रखी गई थी। सिनेमा हाल में यश व तरुण के बीच वाली सीट पर कन्हैयालाल की तस्वीर रखी थी।

इस फिल्म में कन्हैयालाल का सिर कलम किए जाने के हृदयविदारक दृश्य को देखकर इन दोनों की आंखें नम हो गईं और वे सुबकते दिखे। एक बेटे ने कहा,लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार फिल्म रिलीज हो गई है। तीन साल से हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन हमें अभी तक न्याय नहीं मिला है। हमें उम्मीद है कि देश के लोग आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने में हमारा साथ देंगे।

फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे दो लोगों ने एक धारदार हथियार से कन्हैया लाल की निर्ममता से हत्या कर दी। फिल्म देखने आए लोगों ने भी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने पीड़ित परिवार की प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। भारत एस. श्रीनेत द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विजय राज और प्रीति झंगियानी जैसे कलाकार भी हैं। उल्लेखनीय है कि जून 2022 में उदयपुर के व्यस्त हाथीपोल इलाके में दर्जी कन्हैया लाल की उनकी दुकान में धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी गई थी। आरोपी इस बात से नाराज बताए जा रहे थे कि कन्हैयालाल ने सोशल मीडिया पर इस्लाम के खिलाफ एक पोस्ट का कथित तौर पर समर्थन किया था। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर के रख दिया था। मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रहा है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करते पकड़े गये युवक को जयपुर भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में पाकिस्तान के लिये जासूसी करने के संदेह में पकड़े गये रक्षा एवं अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के गेस्ट हाउस के प्रबंधक महेंद्र प्रसाद को पूछताछ के बाद गुरुवार की रात जयपुर भेज दिया गया। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने शुक्रवार को बताया कि गत चार अगस्त को जैसलमेर के चांधन क्षेत्र में पकड़े गये महेंद्र प्रसाद से सभी सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों द्वारा पूछताछ के दौरान कई खुलासे हुए हैं।

वह पिछले पांच वर्षों से देश की सामरिक एवं गोपनीय सूचनायें सीमा पार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को भेज रहा था। उन्होंने बताया कि उसकी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सम्बन्ध होने पर उसे पूछताछ के लिए देर रात केंद्रीय जांच केंद्र, जयपुर (सीआईसी) जयपुर भिजवाया गया है। उन्होंने बताया कि जैसलमेर में सैन्य परिसरों एवं अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में तैनात निजी एवं सविंदा में लगे हुए कर्मचारियों का प्रमाणीकरण एवं उनके बारे में जांच की जा रही हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महेंद्र प्रसाद को सीमा पार से फर्जी डीआरडीओ का अधिकारी कर्नल ए के सिंह बन कर आईएसआई से जुड़ा कर्मचारी फोन करता था। महेंद्र प्रसाद कथित कर्नल ए के सिंह के तीन अलग-अलग नम्बरों पर डीआरडीओ एवं अन्य सैन्य गतिविधियों की जानकारी कागज पर लिखकर फोटो खींच कर भिजवाता था। वह गेस्ट हाउस में आने वाले डीआरडीओ के वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और अन्य सेना एवं वायुसेना के आने वाले अधिकारियों के नाम, फोन नम्बर, किस कारण से आये हैं, इसकी गोपनीय जानकारी सीमा पार उक्त कथित कर्नल ए के सिंह को उसके बताये गये नम्बरों पर भेजता था।

सूत्रों ने बताया कि जासूस महेन्द्र प्रसाद का पिता भी काफी समय से दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर डीआरडीओ गेस्ट हाउस में कुक का कार्य करता था, बाद इसको भी पिता ने गेस्ट हाउस में कुक की नौकरी दिलवा दी बताया जाता है महेन्द्र प्रसाद गेस्ट हाउस में वर्ष 2008 से कुक की नौकरी कर रहा था। बाद में इसे प्रबंधक बना दिया गया था। वह जैसलमेर में डीआरडीओ के गेस्ट हाउस में रहने के दौरान वर्ष 2020 में आईएसआई के सम्पर्क में आया।

11 को आयोजित होगा फसल बीमा क्लेम वितरण कार्यक्रम, शिवराज सिंह चौहान होंगे मुख्य अतिथि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान 11 अगस्त को झुंझुनू में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को डीबीटी के माध्यम से फसल बीमा क्लेम वितरित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में जयपुर, झुंझुनू, कोटपुतली एवं सीकर जिलों के जिला कलेक्टर और संबंधित विभागीय अधिकारियों से समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

राजन विशाल ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी तैयारियाँ समयबद्ध व व्यवस्थित तरीके से पूर्ण की जाएं, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो। शासन सचिव ने समारोह के सफल आयोजन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समन्वय बनाते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय से काम करते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर किसानों के पहुंचने, बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग की बेहतर सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही चिकित्सा सुविधा के अनुकूल बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि आयुक्त सुचिन्मयी गोपाल, झुंझुनू जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविंद्र कुमार शर्मा, मुख्य लेखा अधिकारी श्रीमती कौशल्या सांकृत्य, अतिरिक्त निदेशक उद्यान हिरेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुरेंद्र सिंह शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट सहित कृषि एवं उद्यान विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता का विश्वास खो चुका है निर्वाचन आयोग, भाजपा के पक्ष में कर रहा है काम : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग पर जनता का विश्वास खोने और भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि पहले भारत के चुनाव आयोग की साख इतनी मजबूत हुआ करती थी कि दूसरे देश अपने यहां चुनाव करवाने के लिए भारत के चुनाव आयोग से प्रशिक्षण लेते थे, लेकिन आज भारत की जनता ही उसे शक की निगाह से देख रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के अलोकतांत्रिक कृत्यों ने भारत के सबसे महत्वपूर्ण संस्थानों का भी सत्यानाश कर दिया है। गहलोत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि आयोग वोट चोरी में भाजपा की मदद कर रहा है। गहलोत ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने जनता का विश्वास खो दिया है और वह भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है।

ईमानदारी है तो शपथपत्र जारी करे निर्वाचन आयोग : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का समर्थन करते हुए शुक्रवार को कहा कि आयोग में नैतिक साहस व ईमानदारी है तो वह शपथपत्र जारी करके कहे कि देश में कहीं गड़बड़ी नहीं हुई। गहलोत ने सवाल किया कि निर्वाचन आयोग और देश की सत्तारूढ़ पार्टी मिल जाएगी तो फिर लोकतंत्र कहां रहेगा?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा,''उत्तर प्रदेश, कनार्टक के निर्वाचन अधिकारी के जरिए आप (आयोग) राहुल गांधी को धमकी दिलवा रहे हैं कि आप शपथपत्र दो, उसके बाद हम जांच करेंगे।'' उन्होंने कहा,''राहुल गांधी शपथ क्या देंगे? वे तो संवैधानिक पद पर बैठे ही हैं, संविधान की शपथ लिए हैं।'' गहलोत ने कहा,''निर्वाचन आयोग में अगर नैतिक साहस है और ईमानदारी है तो उसको आम जनता के लिए शपथपत्र जारी करना चाहिए कि 'हम शपथ के साथ कहते हैं देश में किसी जगह गड़बड़ी नहीं हुई।' वह दे सकता है शपथ पत्र? देश में बहुत खतरनाक स्थिति बनाई गई है।''

उल्लेखनीय है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का डेटा सामने रखते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में हेरफेर करके वोट चोरी का यह मॉडल कई निर्वाचन क्षेत्रों में लागू किया गया है, ताकि भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचन आयोग पर पूरे लोकतंत्र का भविष्य टिका हुआ है। निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता सबसे जरूरी है क्योंकि उसी से लोकतंत्र का भविष्य जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो मामला उठाया है उसका असर तो पूरे देश की 140 करोड़ की आबादी पर पड़ने वाला है। गहलोत ने कहा कि अगर चुनाव में 'धांधली' संस्थागत तरीके से करेंगे, निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ पार्टी मिल जाएंगे तो फिर लोकतंत्र कहां रहेगा? यह देश में बहुत खतरनाक खेल हो रहा है जिसे लेकर राहुल गांधी ने एक प्रकार से सचेत किया है। उन्होंने कहा,''कोई जमाना था जब हमारे निर्वाचन आयोग की इतनी बड़ी साख थी कि दूसरे मुल्क अपने यहां चुनाव कराने के लिए इसका सहयोग लेते थे। क्या आज वह साख बची है?''

विद्यालय एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए नवाचार और प्रतिबद्धता से करें कार्य : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर के लूणी, धवा और केरू ब्लॉक के संस्था प्रधान वाकपीठ में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। पटेल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुधारना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा संस्था प्रधान विभाग द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा वाकपीठ सिर्फ औपचारिक बैठक न रहे, बल्कि यह अनुभव साझा करने और नवाचार की योजनाओं को लागू करने का मंच बने। जो भी चर्चा यहां हो, उसे विद्यालय स्तर पर अमल में लाया जाए। पटेल ने कहा कि विद्यालय की अवसंरचना, शिक्षण संसाधन, छात्र-छात्राओं के अनुशासन और परिणामों को बेहतर बनाने जैसे विषय वाकपीठ के प्रतिवेदन में प्रमुखता से शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन्हें प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान दिलाने के लिए विशेष रणनीति बनाई जाए। संसदीय कार्य मंत्री ने संस्था प्रधानों से आह्वान किया कि वे बिना किसी बाहरी दबाव में आए, केवल विद्यार्थियों के हित में निर्णय लें। विद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रेरणादायक बनाए रखें। साथ ही विद्यालय परिसर एवं शौचालयों की नियमित सफाई करवाएं एवं वातावरण को स्वच्छ रखें। उन्होंने मातृ-पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम को बेहतर मनाने का आह्वान किया। पटेल ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकाधिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की प्रतिनियुक्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

झारखंड : आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के दो जवान घायल

रांची/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में विस्फोट से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कम से कम दो जवान घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना सारंडा के घने जंगल में जराइकेला के पास मानके इलाके में दोपहर के समय तब हुई जब सीआरपीएफ के जवान तलाश अभियान चला रहे थे। उन्होंने बताया कि घायल दोनों जवान सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के हैं और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हवाई मार्ग से रांची ले जाया गया। रांची के महानिरीक्षक (आईजी) मनोज कौशिक ने घायल जवानों से मिलने के बाद ने कहा, उन्हें छर्रे लगने से चोटें आई हैं। उनके परिवार वालों को घटना की सूचना दे दी गई है। चिकित्सकों का कहना है कि दोनों की हालत स्थिर है और वे जल्द ही ठीक हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस विस्फोट की जांच कर रही है और सुरक्षा बल नियमित आधार पर अभियान चला रहे हैं।

सरकार के लिए सभी मुद्दों का समाधान करना संभव नहीं : मामा नातुंग

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नातुंग ने कहा है कि सरकार के लिए अकेले सभी समस्याओं और मुद्दों का समाधान कर पाना संभव नहीं है। समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ) की एक संवाद बैठक में बृहस्पतिवार को अंतरराज्यीय सीमा मामलों एवं आदिवासी मामलों के प्रभारी मंत्री मामा नातुंग ने कहा कि एक समय के बाद जटिल मुद्दों के समाधान में हितधारकों, विशेष रूप से सीबीओ का हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। उन्होंने नशीली दवाओं की समस्या, अन्य राज्यों के साथ शांति और सद्भाव बनाए रखने जैसे मुद्दों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए समुदाय आधारित संगठनों की सराहना की। मंत्री ने उनसे अनुरोध किया कि वे आगे भी इसी उत्साह के साथ अपने कार्य में लगे रहें। आदिवासी कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस बैठक में अरुणाचल आदिवासी जनजाति मंच और राज्य के 19 समुदाय आधारित संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने अपने विचार और सुझाव साझा किए।

मेघालय में वैज्ञानिक पद्धति से कोयले का खनन शुरू, पहली खेप रवाना

नई दिल्ली/भाषा। मेघालय में वैज्ञानिक कोयला खनन शुरू होने के बाद ढुलाई की भी औपचारिक शुरुआत हो गई है। यह पूर्वोत्तर में नियंत्रित, पर्यावरण-अनुकूल एवं पारदर्शी खनन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोयला मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि मेघालय के दो कोयला ब्लॉक में खनन गतिविधियां सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए संचालित की जा रही हैं। इन ब्लॉक में सारिंगखाम-ए (पूर्व जयंतिया हिल्स) और पिंडेंगशाहलांग (पश्चिम खासी हिल्स) शामिल हैं। सारिंगखाम-ए ब्लॉक में तीन जून और पिंडेंगशाहलांग ब्लॉक में पांच जून से खनन कार्य शुरू हो गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, सारिंगखाम-ए खान से निकाले गए कोयले की पहली खेप 30 जुलाई को बरनिहाट से बिहार एवं उत्तर प्रदेश के लिए रवाना की गई। पारंपरिक खासी राजा की मौजूदगी में दो ट्रकों में भेजा गया यह कोयला सभी वैध दस्तावेजों के साथ रवाना किया गया। मेघालय में अवैध खनन और 'गुंडा टैक्स' जैसी समस्याओं पर अंकुश लगाने के लिए अब तक वैज्ञानिक खनन के 12 नए पट्टे दिए जा चुके हैं।

ओडिशा में 'जादू-टोना' के संदेह में व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में नौ लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के गजपति जिले के एक गांव में जादू-टोना करने के संदेह में एक झोलाछाप चिकित्सक की हत्या के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जिले के मोहना थाना क्षेत्र के कुसुमपुर गांव में लोगों के एक समूह ने 28 जुलाई की रात करुणाकर दलाई नामक झोलाछाप चिकित्सक की पीट-पीटकर हत्या कर दी और उसके शव को पास के जंगल में दफना दिया। मामला बुधवार को सामने आया जब करुणाकर की भाभी सबिता ने मोहना थाने में शिकायत दर्ज कराई। एक दिन बाद, पुलिस ने जंगल से शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एटम बम नहीं बल्कि 'जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने' जैसा है राहुल का दावा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धांधली होने संबंधी अपने आरोपों के समर्थन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खुलासे का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मजाक उड़ाते हुए शुक्रवार को कहा कि यह ''जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने'' जैसा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने ज्यादातर सीटें वहीं जीतीं, जहां मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि गांधी ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं जो (लोकसभा में) नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के अधिकारियों को सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने में उनकी कथित भूमिका के लिए अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए यादव ने कहा कि पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मतदाताओं की संख्या उस वर्ष की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनावों की तुलना में 40 लाख से अधिक बढ़ी थी और न कि एक करोड़, जैसा कि गांधी ने दावा किया है।

यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता ने आंकड़े 60 लाख तक बढ़ा दिए। उन्होंने दावा किया कि गांधी ने अपना मामला बनाने के लिए लंबे समय तक तैयारी की, लेकिन उनके आरोप का आधार ही 'गलत' निकला। भाजपा नेता ने कहा कि अब से उनके हर दावे को 60 प्रतिशत तक कम करके आंका जाना चाहिए। कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा जीती गई माढा, मोहोल, नागपुर पश्चिम और नागपुर उत्तर जैसी कई विधानसभा सीट का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। यादव ने संवाददाताओं से कहा, जो लोग महाराष्ट्र के बारे में सवाल उठाते रहते हैं, वे वही लोग हैं -- कांग्रेस और उसके सहयोगी -- जिन्होंने ज्यादातर उन सीटों पर जीत हासिल की, जहां मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। यह बात राहुल गांधी के सिद्धांत को खारिज करती है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि गांधी दावा कर रहे थे कि वह जो सबूत पेश करेंगे, वह ''एटम बम'' जैसा होगा। उन्होंने उन पर निर्वाचन आयोग के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह ''जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने'' जैसा है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने त्रिपुरा के आदिवासियों के विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की : साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राज्य के दो प्रतिबंधित समूहों के साथ समझौते के बाद राज्य के आदिवासियों के लिए 250 करोड़ रुपए के विशेष विकास पैकेज की घोषणा की।

साहा ने कहा कि इस धनराशि का उपयोग कमजोर और हाशिए पर मौजूद लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए किया जाएगा, जिन्हें विभिन्न मौजूदा सरकारी योजनाओं से पर्याप्त लाभ नहीं मिला है।

उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में त्रिपुरा के लिए विशेष विकास पैकेज की मौजूदा योजना के तहत एक नए घटक की घोषणा की गई।

साहा ने कहा, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) समूहों के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, राज्य के आदिवासियों के विकास के लिए 250 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

दो प्रतिबंधित समूहों - एनएलएफटी और एटीटीएफ - ने पूर्वोत्तर राज्य में स्थायी शांति के लिए पिछले साल 4 सितंबर को केंद्र और राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। सिपाहीजला जिले के जम्पईजाला में 24 सितंबर को मुख्यमंत्री के समक्ष 584 उग्रवादियों और उनके समर्थकों ने आत्मसमर्पण किया था।

उग्रवादियों के आत्मसमर्पण के साथ, मुख्यमंत्री और तत्कालीन पुलिस महानिदेशक अमिताभ रंजन ने पूर्वोत्तर राज्य को आतंकवाद मुक्त घोषित कर दिया था।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा, विशेष पैकेज से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आय में वृद्धि होगी।

सिंधिया ने पूर्वोत्तर राज्यों से लॉजिस्टिक नीति अद्यतन करने का अनुरोध किया

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों से जारी सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की जानकारी प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल पर डालने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे भविष्य की योजनाओं को बेहतर तरीके से बनाने में मदद मिलेगी। सिंधिया ने इस क्षेत्र के सभी राज्यों से आग्रह किया कि वे अपनी लॉजिस्टिक नीतियों को पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय द्वारा तैयार मानकों के अनुसार अद्यतन करें। संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (डोनर) सिंधिया ने बृहस्पतिवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र में 'लॉजिस्टिक और बुनियादी ढांचे के जुड़ाव' विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय कार्य बल की बैठक में डिजिटल माध्यम से भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र के सभी राज्यों से पूर्वोत्तर के तीव्र आर्थिक विकास के लिए परिवहन गलियारों के साथ औद्योगिक समूह विकसित करने को भी कहा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भविष्य की परियोजनाओं की बेहतर योजना के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) की सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल पर डाला जाना चाहिए।

जब भाजपा की जीत होती है तो राहुल गांधी चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगा देते हैं : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि जब भी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत होती है तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष पहले कांग्रेस की चुनावी हार के लिए 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) को दोषी ठहरा रहे थे, लेकिन अब वह वोट चोरी की ओर इशारा कर रहे हैं। शर्मा ने बृहस्पतिवार को गांधी के उस दावे का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत के जरिये चुनावों में 'बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी' होने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि देश भर के कई निर्वाचन क्षेत्रों में 'वोट चोरी मॉडल' का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने उदलगुड़ी में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में कहा, जब राहुल गांधी चुनाव जीतते हैं, तो सब कुछ ठीक होता है। जब भाजपा जीतती है, तो वह कहते हैं कि कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा, कर्नाटक या तेलंगाना (जहां कांग्रेस सत्ता में है) में कोई 'वोट चोरी' नहीं है। जब हम जीतते हैं, तो 'वोट की चोरी' होती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने बृहस्पिवार को नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतदाता फर्जी, डुप्लिकेट या सामूहिक मतदाता पाए गए, जिनके पते अमान्य थे और यहां फार्म-6 का दुरुपयोग करके नए मतदाता बनाए गए थे।

बंगाल के मंत्री ने भाजपा से कहा कोष जारी करें, 2026 का चुनाव जीतने का सपना देखना बंद करें

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सिंचाई मंत्री मानस रंजन भुइयां ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर बीरभूम जिले में तिलपाड़ा बैराज के जीर्णोद्धार में राज्य सरकार की मदद नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य सरकार भारी बारिश के बीच जान-माल और बुनियादी ढांचे के संरक्षण के लिए तत्काल मरम्मत का काम कर रही है।

भाजपा नेताओं से 2026 में चुनाव जीतने का ''दिवास्वप्न'' देखना बंद करने को कहते हुए भुइयां ने राज्य के विपक्षी नेतृत्व से आग्रह किया कि अगर वे वास्तव में राज्य की जरूरतों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, तो वे रोके गए केंद्रीय कोष को शीघ्र जारी करने में मदद करके बंगाल के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करें।

भुइयां ने संवाददाताओं से बात करते हुए दावा किया कि केंद्र राज्य को मिलने वाले 1.77 लाख करोड़ रुपए के भुगतान में बाधा डालकर ''ममता बनर्जी की राह में रोड़े अटकाने'' और बंगाल की अर्थव्यवस्था को ''अस्थिर'' करने की कोशिश कर रहा है।

जीएसटी व्यवस्था मणिपुर के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है : मेघचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने शुक्रवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था राज्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि इसकी आर्थिक और बुनियादी ढांचागत स्थितियां देश के बाकी हिस्सों से काफी अलग हैं।

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जीएसटी - एक राष्ट्र कर जो मणिपुर की अनूठी वास्तविकताओं को नजरअंदाज करता है। मणिपुर को राज्य जीएसटी संशोधन विधेयक के कल संसद में पारित होने के बाद गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, जीएसटी व्यवस्था ने मणिपुर जैसे राज्यों के लिए गंभीर चुनौतियां पेश की हैं, जिनकी आर्थिक और बुनियादी ढांचागत स्थितियां भारत के अन्य हिस्सों से काफी अलग हैं।

मेघचंद्र ने कहा, आठ साल बाद जब हम इसके प्रभाव का आकलन कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि जीएसटी का 'सबके लिए एक जैसा' दृष्टिकोण मणिपुर जैसे छोटे और सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों के हितों की पूर्ति नहीं करता है।

उन्होंने कहा, जीएसटी ने राज्यों से वैट जैसे स्वतंत्र कर लगाने का अधिकार छीन लिया है। मणिपुर जैसे राज्य के लिए, इसका मतलब ऐसे समय में वित्तीय लचीलेपन का नुकसान है जब स्थानीय जरूरतें अनुकूल आर्थिक नीति की मांग करती हैं।

वांगजिंग निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने दावा किया कि स्थानीय उद्योग, कारीगर और किसान - जिनमें से कई पहले कर छूट का लाभ उठाते थे - अब एक समान जीएसटी स्लैब के बोझ तले दबे हैं और हथकरघा उत्पाद, बांस शिल्प और लघु उद्योग की वस्तुएं अब कर योग्य श्रेणियों में आ गई हैं, जिससे कीमतें बढ़ेंगी।

बांके बिहारी मंदिर : न्यायालय ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई, असंयमित' भाषा पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को वृंदावन स्थित ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर पर एक जनहित याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों पर नाराजगी व्यक्त की और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ असंयमित भाषा के इस्तेमाल पर सवाल उठाया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ द्वारा 21 जुलाई और छह अगस्त को पारित आदेशों का अवलोकन किया, जो उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर दिए गए थे, और इन आदेशों में की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने पीठ को बताया कि उच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर समानांतर कार्यवाही की और आदेश में कुछ अनुचित टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय किस तरह की असंयमित भाषा का इस्तेमाल कर रहा है? जैसे राज्य सरकार ने अध्यादेश पारित करके कोई पाप किया हो। यह सब क्या है? क्या उच्च न्यायालय को यह जानकारी नहीं दी गई कि यह मामला उच्चतम न्यायालय के संज्ञान में है? न्यायमूर्ति कांत ने आगे कहा कि किसी कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं हमेशा खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध होती हैं, लेकिन वर्तमान मामले में एकल न्यायाधीश ने आदेश पारित किया। पीठ ने 21 जुलाई के आदेश में की गई टिप्पणियों पर रोक लगाने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्च न्यायालय में आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी।

इसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि वह अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को अन्य याचिकाओं के साथ एक खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर विचार करें। उच्च न्यायालय ने छह अगस्त को ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन के लिए एक वैधानिक न्यास के प्रस्ताव के साथ अध्यादेश लाने के राज्य सरकार के कदम की आलोचना की थी और कहा था कि राज्य ने 'पाप' किया है।

संसद को बाधित नहीं करना चाहते, लेकिन एसआईआर पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि न तो उनकी पार्टी और न ही 'इंडिया' गठबंधन के किसी घटक दल का संसद में कामकाज बाधित करने का कोई इरादा है, लेकिन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर तुरंत चर्चा होनी चाहिए।

नई दिल्ली से लौटने के बाद एनएसजी बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में डायमंड हार्बर के सांसद ने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का समर्थन किया। बनर्जी ने कहा कि राहुल गांधी के दावों की जांच होनी चाहिए।

हाल में लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता नियुक्त किए गए बनर्जी ने कहा, हम चाहते हैं कि सदन चले, लेकिन एसआईआर पर चर्चा किए बिना नहीं। उच्चतम न्यायालय मतदाता सूची में विसंगतियों की बात करता है, तो फिर 2024 के आम चुनाव पुरानी सूचियों का उपयोग करके कैसे कराए गए? क्या प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य कैबिनेट मंत्री त्रुटिपूर्ण जनादेश का उपयोग करके चुने गए थे?'' बिहार चुनाव नजदीक आ रहे हैं और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव भी बस कुछ ही महीने दूर हैं, ऐसे में बनर्जी ने कम समय में एक व्यापक एसआईआर आयोजित करने की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया।

बंगाल सरकार चार अधिकारियों के निलंबन आदेश पर सोमवार तक अमल करे : निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत को शुक्रवार को दिए एक ताजा नोटिस में कहा कि राज्य सरकार के चार अधिकारियों को निलंबित करने के उसके फैसले को क्रियान्वित कर कार्रवाई की अनुपालन रिपोर्ट 11 अगस्त को अपराह्न तीन बजे तक प्रस्तुत की जाए।

निर्वाचन आयोग के सचिव सुजीत कुमार मिश्रा द्वारा हस्ताक्षरित यह पत्र मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करने के एक दिन बाद जारी किया गया कि वह निलंबन आदेश पर अमल नहीं करेंगी और अधिकारियों को अपना 'पहरेदार' बताते हुए नौकरशाह वर्ग को भरोसा दिलाया। इसके साथ उन्होंने निर्वाचन आयोग व राज्य सरकार के बीच टकराव के एक नए दौर की ओर इशारा किया। आयोग ने चार अधिकारियों - दो निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और दो सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) - और पश्चिम बंगाल में एक अस्थायी 'डाटा एंट्री ऑपरेटर' को निलंबित करने के फैसले की घोषणा की थी। इन अधिकारियों पर दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के बरुईपुर पूर्व और मोयना विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार करते समय कथित रूप से अनियमितताएं बरतने का आरोप है। न्यायालय ने मुख्य सचिव को सभी पांच आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया तथा शीर्ष नौकरशाह से जल्द से जल्द कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। दंडित किए गए पांच राज्य सरकार के कर्मचारियों में से दो - ईआरओ के रूप में कार्यरत देबोत्तम दत्ता चौधरी और बिप्लब सरकार - डब्ल्यूबीसीएस (कार्यकारी) रैंक के अधिकारी हैं। जारी ईसीआई नोटिस में कहा गया है, आयोग को अब तक प्रत्येक अधिकारी के खिलाफ की गई विशिष्ट कार्रवाई का संकेत देने वाली कोई अनुपालन रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

भविष्य को लेकर चेन्नई सुपर किंग्स से बात कर रहे हैं अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। सीनियर आफ स्पिनर आर अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपने भविष्य को लेकर चर्चा कर रहे हैं जबकि ऐसी अटकलें हैं कि वह टीम से अलग होने की मांग कर सकते हैं।

खिलाड़ियों को बरकरार रखने (रिटेंशन) की समय सीमा में अभी दो महीने बाकी हैं और समझा जाता है कि अश्विन सीएसके के आला अधिकारियों से अपनी भूमिका को लेकर बातचीत कर रहे हैं। आईपीएल के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''किसी खिलाड़ी के भविष्य को लेकर बात करना अभी जल्दबाजी होगी। रिटेंशन की कट आफ तारीख अभी घोषित नहीं है लिहाजा हमारे पास समय है। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ियों से बात करने की योजना नीलामी से पहले की थी और सीनियर होने के नाते अश्विन इसका हिस्सा है। अगले आईपीएल सत्र से पहले टीम में भूमिका समझने के लिए यह आपसी बातचीत है। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले 38 वर्ष के अश्विन को चेन्नई ने 2025 मेगा नीलामी में नौ करोड़ 75 लाख रूपये में खरीदा था। चेन्नई के रहने वाले अश्विन 2009 से 2015 तक इसी टीम का हिस्सा थे। उन्होंने इस साल आईपीएल में नौ मैच खेलकर सात ही विकेट लिए। चेन्नई चार जीत और 10 हार के बाद आखिरी (दसवें) स्थान पर रही। ऐसी अटकलें हैं कि चेन्नई विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को ले सकती है जो राजस्थान रॉयल्स छोड़ना चाहते हैं।

बिहार में भाजपा नेता लालू से भी 'अधिक भ्रष्ट' हैं : प्रशांत किशोर

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को बिहार के स्वास्थ्य विभाग में ''गंभीर अनियमितताओं'' का दावा करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा के नेता राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद से अधिक भ्रष्ट हैं। बिहार में राजग शासनकाल में यह विभाग लगातार भाजपा के पास रहा। किशोर ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे पर सीधा हमला किया और उन पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के साथ मिलकर एक-दूसरे को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। मंगल पांडे भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। किशोर ने आरोप लगाया कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने लगभग 28 लाख रुपए प्रति एम्बुलेंस की कीमत पर '1,200 एम्बुलेंस' का ऑर्डर दिया था, जो ओडिशा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों द्वारा दी जा रही कीमत से लगभग दोगुना है।

सुविचार

शिक्षा वो हथियार है जिससे हम समाज को बदल सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वीरगाथा: पाठ्यक्रम में योद्धाओं का सम्मान

एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में फील्ड मार्शल मानेकशॉ, मेजर सोमनाथ शर्मा, ब्रिगेडियर उस्मान जैसे महान योद्धाओं पर आधारित अध्यायों को शामिल किए जाने का फैसला सराहनीय है। इससे विद्यार्थियों में साहस और कर्तव्य की भावना पैदा होगी। उन्हें मालूम होगा कि जो आज़ादी हमें मिली है, उसे कायम रखने के लिए अनेक योद्धाओं ने बलिदान दिए हैं। इस देश की अखंडता की रक्षा के लिए अनेक सैनिक विकट परिस्थितियों में हमेशा तैनात रहते हैं। कुछ इतिहासकारों ने पक्षपातपूर्ण लेखन कर विदेशी आक्रांताओं को महान घोषित कर दिया। उन्होंने भारतीय योद्धाओं की उपेक्षा करते हुए विद्यार्थियों के मन में यह बात बैठाने की कोशिश की कि 'हम तो सदैव हारते रहे हैं, बाहर से जो भी हमलावर यहां आया, वह हुकूमत करता रहा।' इससे विद्यार्थियों के मन पर कैसा असर होता है? क्या यह पढ़कर वे शक्ति और साहस के धनी बन सकेंगे? विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जुआ, सट्टा और अमर्यादित जीवन जीने की सीख देने वाले कथित सेलिब्रिटी के बजाय भारत के उन योद्धाओं को अपना आदर्श मानें, जिन्होंने देश के लिए बड़े बलिदान दिए हैं। आज कितने नौजवान हैं, जो मेजर सोमनाथ शर्मा के बारे में जानते हैं? उन्होंने वर्ष 1947 में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया था। आज जम्मू-कश्मीर पर तिरंगा लहरा रहा है, तो इसका श्रेय मेजर सोमनाथ शर्मा और उन सभी त्यागी एवं बलिदानी योद्धाओं को देना चाहिए, जो अपनी जान की परवाह न करते हुए रणभूमि में कूद पड़े थे। अब फील्ड मार्शल मानेकशॉ के बारे में बहुत लोग जानते हैं। इसकी एक वजह उनके जीवन पर बनी फिल्में हैं। उनके भाषण सोशल मीडिया पर सुने जाते हैं। वे बहादुर योद्धा तो थे ही, अद्भुत रणनीतिकार भी थे। उनके नेतृत्व में सेवाएं दे चुके सैनिक बताते हैं कि उन्हें सुनकर मन में ऐसा जोश उमड़ता था कि हम बड़े से बड़े दुश्मन को शिकस्त दे सकते हैं।

ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। वे वीरता के साथ ही मानवता की मिसाल थे। उन्हें नौशेरा के शेर के नाम से जाना जाता था। जब उनकी उम्र सिर्फ 12 साल थी, तो एक बच्चा कुएं में गिर गया था। उसे बचाने के लिए उस्मान ने छलांग लगा दी और सुरक्षित निकाल लाए थे। जब विद्यार्थी इस घटना के बारे में पढ़ेंगे तो उनमें अपने देशवासियों की मदद करने की भावना पैदा होगी। उस्मान सेना में भर्ती होना चाहते थे। उन्हें बलोच रेजिमेंट में तैनात किया गया था। भारत-पाक बंटवारे के दौरान पाकिस्तानी नेताओं ने उन्हें ऊंचे ओहदे जैसे कई प्रलोभन देकर बुलाना चाहा, लेकिन उस्मान ने उनके प्रस्ताव ठुकरा दिए थे। इसके बाद उस्मान डोगरा रेजिमेंट में आ गए थे। नफरत की आग में जल रहा पाकिस्तान किसी भी कीमत पर जम्मू-कश्मीर को हड़पना चाहता था। उसने घुसपैठियों के साथ खुद की फौज को भी लूटमार और कत्ले-आम करने के लिए भेजा था। जब ब्रिगेडियर उस्मान और उनके साथियों ने मोर्चा संभाला तो दुश्मन के कई जवानों को मार गिराया था। इससे पाकिस्तानी जनरल भड़क उठे थे। उनके इरादों के सामने ब्रिगेडियर उस्मान मजबूत दीवार बनकर खड़े थे। दुश्मन फौज ने उन पर 50 हजार रुपए का इनाम तक घोषित कर दिया था, जो उस समय बहुत बड़ी रकम होती थी। उस्मान 3 जुलाई, 1948 को जब शहीद हुए तो अपने जवानों को यह कहते हुए आखिरी सांस ली कि 'हम तो जा रहे हैं, लेकिन जमीन के एक भी टुकड़े पर दुश्मन का कब्जा न हो पाए।' बहुत कम लोगों को इस बात का पता होगा कि ब्रिगेडियर उस्मान अपनी कमाई का एक हिस्सा अनाथ और जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते थे। ऐसे बलिदानी हमारे देश के सच्चे नायक हैं, जिनसे सबको शिक्षा लेनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

एनसीआरटी की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान विषय की किताब में तत्कालीन राजस्थान के भूभागों को मराठा साम्राज्य के नक्शे में दिखाए जाने पर मेरा माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी से गंभीर विमर्श हुआ है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

पूज्य श्री बालनाथ जी महाराज की समाधि के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया तथा दिव्य शांति की अनुभूति ली। आश्रम के परम पूज्य महंत श्री बस्तीनाथ जी का आशीर्वाद एवं आत्मीय सान्निध्य मिला। भगवान महादेव का जलाभिषेक कर समस्त प्रदेशवासियों के कल्याण,की कामना की।

-मदन दिलावर

अंग्रेजों भारत छोड़ो का गगनभेदी नारा केवल एक विरोध नहीं था, बल्कि यह आज़ादी की अंतिम और निर्णायक पुकार बन गया। आज हम उन वीर सेनानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता का सूरज दिखाया।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

लोभ का कांटा

एक बार अवधूत दत्तात्रेय नदी के किनारे टहल रहे थे। उन्होंने देखा कि एक मछुआरा नदी के तट पर बैठा था और वह लोहे के बने एक छोटे कांटे पर मांस का टुकड़ा लगा रहा था। दत्तात्रेय ने उससे पूछा, 'भैया, तुम यह मांस कांटे पर क्यों लगा रहे हो?' मछुआरे ने उत्तर दिया, 'मैं इस मांस के टुकड़े को पानी में डाल दूंगा। मांस के लालच में मछली उस कांटे पर झपटेगी, और कांटे से उसका मुंह फंस जाएगा। तब मैं उसे पकड़ लूंगा।' दत्तात्रेय ने पुनः पूछा, 'यदि मछली मांस निगलकर कांटा उगल भी दे, तो वह कैसे फंसेगी?'

मछुआरे ने हंसते हुए कहा, 'बाबा, क्या आप इतना भी नहीं जानते कि विषयों को निगलना तो आसान है, पर उन्हें उगलना अत्यंत कठिन।' यह सुनते ही दत्तात्रेय जी को शास्त्र का वचन याद आ गया कि जब प्राणी लोभ, लालच, मोह और ममता के जाल में फंस जाता है, तो वह दुखों के सागर में डूब जाता है। वह भले ही सांसारिक सुखों को दुख का कारण जान ले, फिर भी उनसे मुक्ति का मार्ग खोज नहीं पाता।

सामयिक

एक हथिनी 'माधुरी' के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

जैन धर्म का मूल आधार अहिंसा है, पर यह अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति करुणा, संवेदना और सेवा भाव की गहन जीवनशैली है। जैन आचार्य और तपस्वियों ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि जीव मात्र में आत्मा है, और प्रत्येक आत्मा पूज्य है। यही कारण है कि जैन मुनि पांव में चप्पल नहीं पहनते, चलते समय झाड़ू से मार्ग बुहारते हैं ताकि कोई सूक्ष्म जीव भी अनजाने में आहत न हो। इतिहास में ऐसे असंख्य प्रसंग मिलते हैं जब राजाओं ने भी जैन धर्म के प्रभाव में आकर हिंसा का त्याग किया और जीवदया के लिए गोशालाएं, पक्षीचिकित्सालय और जलाशय बनवाए।

स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

मोबाइल : 9967296666

नांदणी जैन मठ की गजलक्ष्मी हथिनी माधुरी, जो 35 वर्षों से मठ की सेवा में थी, को पेटा की याचिका पर जामनगर भेजा गया था, जिससे जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। न केवल महाराष्ट्र में, बल्कि समूचे जैन समाज में व्याप्त आक्रोश को देखते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने इसमें दखल दिया और उसकी पहल पर याचिका दायर करने और आपराधिक मामलों को वापस लेने की घोषणा के साथ माधुरी की घर वापसी संभव हो गई है। निश्चित ही यह फडणवीस सरकार का एक संवेदनशील एवं सूझबूझभरा निर्णय है, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है क्योंकि माधुरी, नांदणी जैन मठ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और जैन समुदाय की भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। मैं कोई साधारण प्राणी नहीं। मैं उन हजारों श्रद्धालुओं की भावनाओं का मूर्तरूप हूं, जिन्होंने मुझे केवल देखा नहीं, बल्कि पूजा है। यदि माधुरी' बोल सकती, तो शायद यही कहती, क्योंकि उसका मौन, उसका निर्विकार भाव, उसके नेत्रों में बसी करुणा, इन सबने वर्षों तक नांदणी जैन मठ को जीवंत रखा। वह एक जीव नहीं, धर्म की आत्मा बनकर असंख्य श्रद्धालुओं की संवेदनाओं, आस्था एवं भक्ति से जुड़ी थी

नांदणी जैन मठ की यह गजलक्ष्मी हथिनी। वह केवल एक वन्य प्राणी नहीं, वह जैन धर्म में जीव मात्र के प्रति करुणा के अमूल्य सिद्धांत का सजीव प्रतीक है। उसका मठ में रहना, उसका पूजन, उसकी सेवा, यह सब किसी हिंसक बंधन का परिणाम नहीं था, बल्कि धार्मिक समर्पण की अभिव्यक्ति थी। पेटा जैसी संस्थाएं केवल जीव के शरीर को देखती हैं, उसकी आत्मा, उसके सांस्कृतिक स्थान और परंपरा में निहित गरिमा को नहीं। यही कारण था कि उसकी जबरन वनतारा में रवानगी केवल एक स्थानांतरण नहीं, बल्कि धर्म के हृदय पर आघात था।

माधुरी प्रकरण ने एक जटिल प्रश्न को जन्म दिया, क्या धर्म अब भी स्वतंत्र है, या वह राजनीतिक और कानूनी भूलभुलैया में उलझ चुका है? क्या जीवों की सेवा और उनके साथ प्रेम का संबंध, कानून की अंधी परिभाषाओं से परे नहीं देखा जा सकता? राजनीतिक हस्तक्षेप ने बार-बार धर्म की गरिमा को चुनौती दी है परंतु इस बार महाराष्ट्र सरकार, विशेषतः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जो निर्णय लिया, वह सराहनीय, साहसी और धर्म-समभाव से प्रेरित प्रतीत होता है। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका, दर्ज प्रकरणों की वापसी की घोषणा, ये निर्णय केवल न्यायिक नहीं, आध्यात्मिक चेतना से प्रेरित प्रतीत होते हैं।

जैन धर्म का मूल आधार है पर्यावरण के साथ सह-अस्तित्व और जीवों के प्रति अहिंसक व्यवहार। यह दर्शन मात्र प्रवचनों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनचर्या का अंग है। माधुरी उसी जीवनचर्या की प्रतिछाया थी। उसकी देखभाल, सेवा, पूजा-इन सबके माध्यम से नांदणी मठ ने पीढ़ियों को यह सिखाया कि एक जीव के साथ कैसा प्रेममय आत्मीय रिश्ता हो सकता है। जब उसे वनतारा ले जाया गया, तो यह केवल एक हथिनी का मठ छोड़ना नहीं था, बल्कि पर्यावरण-धर्म की एक जीवित पाठशाला का अवसान था। जिस समाज ने माधुरी को देवीतुल्य सम्मान दिया, वह समाज उसके हरण को केवल कानूनी आदेश नहीं मान सकता था। यह जनआस्था की, सामूहिक करुणा की और धार्मिक सम्मान की सामूहिक पराजय थी। परंतु अब, जब पुनः माधुरी की वापसी की संभावना जीवित हुई है, तो यह धर्म और न्याय की संयुक्त विजय है। माधुरी केवल एक हथिनी नहीं, वह मठ की आत्मा की भौतिक अभिव्यक्ति है, यही इस समूचे विमर्श का सार है। यह केवल माधुरी की वापसी की बात नहीं, बल्कि उस सम्मान की पुनर्स्थापना है जो सेवा, करुणा और जीवदया में निहित है।

वर्तमान युग में सरकारों का धार्मिक मामलों में संवेदनशीलता दिखाना दुर्लभ है परंतु फडणवीस सरकार का यह निर्णय दर्शाता है कि जब शासन तंत्र, न्याय प्रणाली और धार्मिक समुदाय मिलकर कार्य करें, तो न्याय और श्रद्धा का नया युग संभव है। सरकार द्वारा इस प्रकरण में आयोजित अति संवेदनशील बैठक में जहां विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, मैं भी इस बैठक का हिस्सा बना। निश्चित ही बैठक में राज्य सरकार का यह प्रयास एवं निर्णय की सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका और प्रकरण वापसी की घोषणा, एक संवेदनशील लोकतंत्र की परिपक्व पहचान है। यह दर्शाता है कि सरकार न केवल कानून का पालन करती है, बल्कि समाज की आत्मा की धड़कन भी सुनती है। अब सरकार के प्रयासों से जब माधुरी मठ लौटेगी, तो वह अकेली नहीं होगी। उसके साथ लौटेगा धर्म का सम्मान, श्रद्धा का पुनर्निर्माण, करुणा का पुनराविष्कार और पर्यावरण के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की प्रेरणा। वह लौटेगी तो धर्म केवल ग्रंथों में नहीं, जीवन में दिखाई देगा। वह लौटेगी तो हर जैन मठ, हर मंदिर, हर जीवात्मा को यह भरोसा मिलेगा कि श्रद्धा और न्याय को कुछ समय के लिए विलंबित किया जा सकता है, पर पराजित नहीं

माधुरी की वापसी केवल एक हथिनी की वापसी नहीं, वह समूचे मानवता की संवेदना की विजय है। महाराष्ट्र सरकार अपने इस निर्णय के लिए धन्यवाद की पात्र है। धन्यवाद के पात्र वे भी हैं जिन्होंने माधुरी की करुण पुकार को न्याय में परिवर्तित करने का यत्न किया। माधुरी का सम्मान और धर्म का योगदान केवल किसी एक जीव के प्रति सहानुभूति का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की संवेदनाओं की कसौटी है। राजनीति को यदि जनभावनाओं की सच्ची प्रतिनिधि बनना है, तो उसे केवल वोट और शक्ति के गणित से नहीं, बल्कि समाज की आत्मा से संवाद करना होगा। माधुरी प्रकरण में महाराष्ट्र सरकार ने जिस तरह धार्मिक अस्मिता और जनसंवेदनाओं का सम्मान करते हुए न्यायोचित हस्तक्षेप किया, वह एक अनुकरणीय दृष्टिकोण है, जिसमें धर्म को न राजनीति का उपकरण बनाया गया और न उपेक्षा की गई, बल्कि उसे संवेदना और संस्कृति की धुरी मानकर संजोया गया। यही वह राह है, जिससे राजनीति जनसेवा और धर्म, जनमानस की आत्मा बन सकते हैं।

जैन धर्म का मूल आधार अहिंसा है, पर यह अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति करुणा, संवेदना और सेवा भाव की गहन जीवनशैली है। जैन आचार्य और तपस्वियों ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि जीव मात्र में आत्मा है, और प्रत्येक आत्मा पूज्य है। यही कारण है कि जैन मुनि पांव में चप्पल नहीं पहनते, चलते समय झाड़ू से मार्ग बुहारते हैं ताकि कोई सूक्ष्म जीव भी अनजाने में आहत न हो। इतिहास में ऐसे असंख्य प्रसंग मिलते हैं जब राजाओं ने भी जैन धर्म के प्रभाव में आकर हिंसा का त्याग किया और जीवदया के लिए गोशालाएं, पक्षीचिकित्सालय और जलाशय बनवाए। भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन जीवों के प्रति करुणा का आदर्श है, उन्होंने कहा, सव्वे पाणो पियायरा यानी सभी प्राणी प्रिय हैं। यही भाव आगे चलकर जैन समाज की सामाजिक संरचना में गहराई से समाहित हो गया। आज भी जैन धर्म के अनुयायी जीवों के कल्याण के लिए सेवा प्रकल्पों में अग्रणी हैं, चाहे वह बीमार पक्षियों के लिए चिकित्सालय हों, घायल जानवरों के लिए रेस्क्यू सेंटर हों, या निराश्रित पशुओं के लिए आश्रय स्थल।

माधुरी जैसी एक हथिनी का मठ में पूज्य स्थान पाना, उसकी सेवा और सुरक्षा में समाज का समर्पण, यही तो जीवदया की उस परंपरा का जीवंत प्रमाण है जो अतीत से वर्तमान तक निरंतर बहती रही है। जैन धर्म का यह दृष्टिकोण हमें केवल मनुष्यों से प्रेम नहीं सिखाता, बल्कि सृष्टि के हर कण में बसते जीवन के प्रति करुणा का भाव विकसित करता है। यही करुणा, यही संवेदना धर्म को जीवंत बनाती है और मानवता को दिव्यता की ओर ले जाती है।

नजरिया

रक्षाबंधन के बदलते मायने हमें यह समझाते हैं कि त्योहार केवल रस्में नहीं होते, वे विचार होते हैं, भावना होते हैं। आज का रक्षाबंधन हमें यह सीख देता है: कि रक्षा एकतरफा नहीं, परस्पर होती है। कि रिश्ते खून से नहीं, भावना से बनते हैं। कि प्रकृति, समाज और देश भी हमारी रक्षा के हकदार हैं। और यह कि महिला केवल संरक्षित नहीं, संरक्षक भी हो सकती है। रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं, एक दार्शनिक ष्टिकोण है - जो कहता है कि प्रेम, समर्पण और समानता से ही समाज और रिश्ते टिक सकते हैं।

रक्षाबंधन के बदलते मायने : परंपरा से आधुनिकता तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

भारत विविधताओं से भरा देश है, जहां हर त्यौहार न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक होता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं में से एक विशेष पर्व है - रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक है। लेकिन बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ-साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह बदलाव केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, इसके उद्देश्य और इसके सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूं को भेजी गई राखी, यह पर्व सदा से रक्षक और संरक्षित के बीच एक नैतिक संकल्प का प्रतीक रहा है। पहले के समय में राखी केवल भाई-बहन के खून के रिश्ते तक सीमित थी। बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई जीवनभर उसकी रक्षा करने का वचन देता था। यह रिश्ता स्नेह, विश्वास और समर्पण से भरा होता था। अब रक्षाबंधन का दायरा केवल खून के रिश्तों तक सीमित नहीं रहा। आज कई महिलाएं अपने दोस्तों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहां तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह दर्शाता है कि रक्षा अब केवल एक व्यक्ति विशेष का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संबंधों की व्यापक जिम्मेदारी बन चुका है। इसका सबसे सुंदर उदाहरण है कि अब बहनें भी अपने छोटे भाइयों को कहती हैं - मैं भी तेरी रक्षा करूँगी। यानी सुरक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा, यह परस्पर बन गया है।

तकनीक ने आज रिश्तों के समीकरण ही बदल दिए हैं। पहले जहां राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, अब एक क्लिक में डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गिफ्टिंग और वर्चुअल सेरेमनी हो रही हैं। विदेशों में बसे भाई-बहन अब भले दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल पर राखी बाँधने की परंपरा, स्क्रीन पर तिलक और डिजिटल मिठाई ने एक नई तरह की जुड़ाव की भावना पैदा की है। कुछ लोग भले इसे भावनाओं की कमी कहें, लेकिन सच्चाई यह है कि तकनीक ने दूरी को पाटने का जरिया भी दिया है। पहले रक्षाबंधन पर भाई बहन को मिठाई और उपहार देता था। यह एक तरह से प्रेम की अभिव्यक्ति थी। लेकिन अब कई बहनें कहती हैं - भैया, गिफ्ट नहीं चाहिए, थोड़ी सी फुर्सत चाहिए, समय चाहिए, समझ चाहिए। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग और बराबरी की भागीदारी चाहती है।

उपहार की जगह अब रिश्तों में पारदर्शिता, संवाद और समय की मांग अधिक हो गई है।

पुराने जमाने में रक्षाबंधन का अर्थ था - भाई बहन की रक्षा करेगा। परंतु आज यह परिभाषा बदल रही है। लड़कियाँ भी आज आत्मनिर्भर हैं, अपने भाइयों की मदद कर रही हैं, उन्हें मानसिक और आर्थिक संबल दे रही हैं। रक्षाबंधन अब यह नहीं कहता कि केवल भाई ही रक्षक होगा, बल्कि यह दर्शाता है कि भाई और बहन दोनों एक-दूसरे की ज़िंदगी में सुरक्षा, समर्थन और प्रेरणा बन सकते हैं। आज के समय में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का पर्व नहीं रहा, यह प्रकृति की रक्षा, सामाजिक सौहार्द और समानता का प्रतीक भी बन चुका है। कई स्थानों पर पेड़ों को राखी बाँधने की परंपरा चल पड़ी है - वृक्ष-रक्षा बंधन। बच्चें और महिलाएं वृक्षों को राखी बाँधकर यह संदेश दे रही हैं कि हम केवल मानव की नहीं, प्रकृति की भी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह से सैनिकों को राखी भेजना यह बताता है कि देश की रक्षा करने वाले वीरों के साथ भी हम भावनात्मक रूप से जुड़े हैं।

बहनें अब केवल रक्षा की याचक नहीं, बल्कि स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और संवेदनशील भी हैं। कई परिवारों में बहनें ही भाइयों की आर्थिक, शैक्षणिक या सामाजिक मदद कर रही हैं। यह बदलाव यह संकेत करता है कि रक्षाबंधन अब पौरुष और स्त्रीत्व के सांचे से बाहर निकल कर इंसानी मूल्यों और बराबरी के धरातल पर खड़ा हो रहा है। आज के इस व्यस्त जीवन में भावनाओं की अभिव्यक्ति के तरीके भले बदल गए हों, लेकिन उनकी अहमियत कम नहीं हुई है। भाई-बहन अब केवल राखी के दिन नहीं, सालभर एक-दूसरे के जीवन में सहयोगी बने रहते हैं। रक्षाबंधन एक बहाना है उन रिश्तों को फिर से जीने का, जिनमें कभी झगड़े थे, कभी मिठास, कभी नाराज़गी और कभी अपार स्नेह। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि रिश्ते बनाए नहीं जाते, निभाए जाते हैं।

आज रक्षाबंधन केवल हिंदू धर्म या भारतीय संस्कृति तक सीमित नहीं रहा। यह पर्व अब सांप्रदायिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी बन चुका है। कई जगह मुस्लिम लड़कियाँ हिंदू भाइयों को राखी बाँधती हैं, ईसाई बच्चे सैनिकों को राखी भेजते हैं - यह सब इस बात का संकेत हैं कि रक्षा का संकल्प मानवता का संकल्प है, न कि केवल किसी धर्म, जाति या समुदाय का।

रक्षाबंधन के बदलते मायने हमें यह समझाते हैं कि त्योहार केवल रस्में नहीं होते, वे विचार होते हैं, भावना होते हैं। आज का रक्षाबंधन हमें यह सीख देता है: कि रक्षा एकतरफा नहीं, परस्पर होती है। कि रिश्ते खून से नहीं, भावना से बनते हैं। कि प्रकृति, समाज और देश भी हमारी रक्षा के हकदार हैं। और यह कि महिला केवल संरक्षित नहीं, संरक्षक भी हो सकती है। रक्षाबंधन अब केवल एक पर्व नहीं, एक दार्शनिक दृष्टिकोण है - जो कहता है कि प्रेम, समर्पण और समानता से ही समाज और रिश्ते टिक सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विदेशी सामान खरीदने की कीमत देश आतंकवाद के रूप में चुकाता है : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि विदेशी सामान को खरीदने की कीमत देश को आतंकवाद के रूप में चुकानी पड़ती है। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जब स्वदेशी वस्तुएं खरीदी जाती हैं तो पैसा भारत के कारीगरों और उद्यमियों के पास जाता है जिससे देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि जब विदेशी वस्तुएं खरीदी जाती हैं, तो पैसा विदेश जाता है और बाद में देश को आतंकवाद के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव' के समापन समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, जब देश आजादी की लड़ाई में आगे बढ़ रहा था तब महात्मा गांधी ने प्रत्येक व्यक्ति को स्वदेशी से जुड़ने के लिए प्रेरित किया था। स्वदेशी हमारे जीवन का उद्देश्य बनना चाहिए, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बनना चाहिए। हमें स्वदेशी के लिए जीना चाहिए और देश के लिए मरना चाहिए। यदि भारत राष्ट्रवाद की इस पराकाष्ठा के साथ आगे बढ़ता है, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत का कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी।

कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'काकोरी ट्रेन एक्शन' में शहीद हुए देश के सपूतों को नमन किया और

उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चॉकलेट उपहार के रूप में दिए। इसके बाद उन्होंने संग्रहालय में सेल्फी और तस्वीरें खिंचवाईं।

मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिजनों को भी मंच पर सम्मानित किया, जबकि 'काकोरी ट्रेन एक्शन' की घटना पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें काकोरी ट्रेन कार्रवाई की उस घटना को प्रस्तुत किया गया।

आदित्यनाथ ने कहा, त्योहार शुरू हो रहे हैं। जब हम स्वदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो वह पैसा हमारे कारीगरों और उद्यमियों के पास जाता है। उनके पास जाने वाला पैसा देश के विकास में खर्च होगा, देश के उत्थान में खर्च होगा और देश की समृद्धि में निवेश किया जाएगा। लेकिन जब हम विदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो हम केवल पैसा ही नहीं चुकाते, हम बाद में आतंकवाद के रूप में उसकी कीमत चुकाते हैं और उसका दंश झेलने को मजबूर होते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रदेश और देश के लोगों से दो अक्टूबर को गांधी आश्रम से खादी की वस्तुएं खरीदने का आग्रह किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी (लखनऊ शहर के पास स्थित एक क्षेत्र) में महान क्रांतिकारियों ने लोगों के खून-पसीने से कमाए गए उस खजाने को ब्रिटिश हुकूमत से छीन लिया था जिसे वह ब्रिटेन ले जाने के फिराक में थी। उन्होंने कहा, 1927 में इस आंदोलन का नेतृत्व करने वाले रामप्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दे दी गई, जबकि अशफाकउल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी और अन्य क्रांतिकारियों को सुनवाई का अवसर दिए बिना ही अलग-अलग जेलों में फांसी पर लटका दिया गया। आदित्यनाथ ने कहा, चंद्रशेखर आजाद तत्कालीन सरकार की पकड़ में नहीं आ सके और उन्होंने स्वयं अंग्रेजों से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की। आज शताब्दी समारोह में उन्हें याद करने का अवसर है, जो हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।

ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने वर्षों की अमेरिका-भारत साझेदारी को जोखिम में डाल दिया: अमेरिकी सांसद

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी संसद के एक सदस्य ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए वर्षों से सावधानीपूर्वक किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है।

प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका के भारत के साथ ''गहरे रणनीतिक और आर्थिक'' तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध हैं।

मीक्स डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद हैं और वह 'हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेम्स' के रैंकिंग सदस्य भी हैं। मीक्स ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने अमेरिका-भारत साझेदारी को प्रगाढ़ करने के लिए वर्षों से सावधानीपूर्वक किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है। उन्होंने कहा, चिंताओं का समाधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप परस्पर सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

पिछले सप्ताह घोषित 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर बुधवार को 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया, जिससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह अमेरिका द्वारा किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। यह अतिरिक्त शुल्क 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा।

इस बीच, न्यूयॉर्क स्थित भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और भू-राजनीतिक विशेषज्ञ अल मेसन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुभवी राजनेता एवं कुशल रणनीतिकार हैं तथा उन्होंने ऐसी मित्रता विकसित की है जो औपचारिक कूटनीति से कहीं आगे जाती है।

मेसन ने कहा, यह केवल हाथ मिलाना और तस्वीरें खिंचवाना नहीं है - यह सोच का संगम है। दोनों समझते हैं कि नेतृत्व का मतलब टकराव से बचना नहीं, बल्कि स्पष्टता और उद्देश्य के साथ उसका सामना करना है। उन्होंने कहा, वैश्विक राजनीति के मंच पर, विश्व के नेताओं के बीच सच्चे रिश्ते अकसर ऐतिहासिक फैसलों के पीछे की शांत शक्ति होती है।

मेसन ने कहा, समय के साथ बने ये रिश्ते टकराव से अछूते नहीं रहते, लेकिन ये इसलिए कायम रहते हैं कि ये परस्पर सम्मान और अपने राष्ट्रों की सेवा करने की साझा इच्छा पर आधारित होते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप और मोदी ''ऐसे ही दो नेता हैं। मेसन ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और भारत एक-दूसरे के राजनीतिक दृष्टिकोण को दरकिनार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, उनके (दोनों देशों) रणनीतिक हित आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं और उनकी साझेदारी केवल सुविधा की बात नहीं है, बल्कि यह एक भू-राजनीतिक जरूरत है। तेजी से ध्रुवीकृत होती दुनिया में, उनके गठजोड़ की मजबूती न केवल द्विपक्षीय परिणामों को, बल्कि वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श को भी आकार देगी।

चीन ने 1962 के युद्ध में लगभग 38,000 वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा किया था : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि 1962 के चीन-भारत युद्ध के अंत में, चीन ने लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भू-भाग पर ''अवैध कब्जा'' किया था। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी कहा, लंबित सीमा विवाद के समाधान के लिए पिछले कुछ वर्षों में चीन के साथ द्विपक्षीय स्तर पर कई पहल की गई है। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत सरकार के पास ''1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान चीन द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्रों'' के बारे में कोई आंकड़ा है।

साथ ही, यह भी पूछा गया था कि युद्ध के दौरान गंवाये गए इन क्षेत्रों को वापस लेने के लिए 1962 के बाद से चीन के साथ क्या कोई कूटनीतिक कोशिश की गई और उस वार्ता में कितनी प्रगति हुई है।

सिंह ने बताया, 1962 के युद्ध के अंत में, चीन ने लगभग 38,000 वर्ग किमी भारतीय भू-भाग पर अवैध कब्जा कर रखा था। उन्होंने बताया कि जून 1981 में चीनी विदेश मंत्री हुआंग हुआ की नई दिल्ली यात्रा के बाद, भारत और चीन ने दिसंबर 1981 से नवंबर 1987 तक सचिव स्तर पर औपचारिक सीमा वार्ता के ''आठ दौर'' आयोजित किए।

सिंह ने बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 19 से 23 दिसंबर 1988 की चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने सीमा विवाद पर भारत-चीन संयुक्त कार्य समूह के गठन की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 1989 से 2005 के बीच संयुक्त कार्य समूह की कुल ''15 दौर'' की बैठकें हुईं।

विजेता

दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के चेंगदू में होने वाले विश्व खेल 2025 में ओरिएंटियरिंग स्पर्धा की महिलाओं की मध्य दूरी की विजय समारोह के दौरान स्विटजरलैंड की स्वर्ण पदक विजेता सिमोना एबरसोल्ड (बीच में), स्लोवाकिया की रजत पदक विजेता टेरेज़ा स्मेलिकोवा (बाएं) और स्वीडन की कांस्य पदक विजेता अल्वा सोनेसन।

'जटाधारा' का टीजर जारी, सामने आया सोनाक्षी सिन्हा का रौद्र रूप

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की सुपरनैचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जटाधारा' का टीजर फिल्म मेकर्स ने शुक्रवार को रिलीज कर दिया है। इसमें सोनाक्षी का खास लुक सबको आकर्षित कर रहा है। सोनाक्षी ने टीजर को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, बलिदान से जन्मा एक नायकऔर लालच से पनपा अंधकार, टकराव की शुरुआत हो चुकी है'जटाधारा' का टीजर अब जारी हो गया है। टीजर में सोनाक्षी आकर्षक अवतार में दिखती हैं। गहने, गहरे काजल से सजी आंखें, लाल बिंदी और माथे पर तिलक में अभिनेत्री का रौद्र रूप दिख रहा है। 'जटाधारा' में सोनाक्षी का एक अलग ही अवतार देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में सुधीर बाबू भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। टीजर में सुधीर और सोनाक्षी एक-दूजे से भिड़ते दिख रहे हैं। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी 'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर एक मनोरंजक फिल्म है।

फिल्म के टीजर ने दर्शकों के मन में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है; अब दर्शकों को इसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित है। फिल्म की कहानी के बारे में अन्य जानकारी फिल्म के ट्रेलर में देखने को मिलेगी। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर इंस्टाग्राम पर जारी किया था, जिसमें सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा का अलौकिक अवतार दिखाई दिया था। इंस्टाग्राम पर मेकर्स ने पोस्टर का लुक पोस्ट करते हुए लिखा था, इंतजार खत्म, गवाह बनिए पौराणिकता के शानदार विजुअल से भरी जटाधारा का! सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा और भगवान शंकर की एक झलक स्क्रीन पर आग लगा रही है। प्रेरणा अरोड़ा इंडियन सिनेमा को फिर से परिभाषित करने जा रही हैं। फिल्म को जी स्टूडियो ने प्रोड्यूस किया है। इसे एस के जी एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म में कमाल के वीएफएक्स देखने को मिलेंगे। म्यूजिक जी म्यूजिक कंपनी पर रिलीज होगा।

गुरमीत और देबिना, प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता गुरमीत चौधरी और देबिना बोनर्जी, दोनों हाल ही में परिवार संग छुट्टियां मनाने मथुरा पहुंचे। वहां उन्होंने वृंदावन के आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। इस कपल ने मंदिरों के दर्शन से लेकर आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज जी से मुलाकात भी की। गुरमीत और देबिना की यह यात्रा आशीर्वाद, भक्ति और खास पलों से भरी रही। दोनों ने इंस्टाग्राम पर इस आध्यात्मिक यात्रा की कुछ झलकियां साझा कर पोस्ट में लिखा, मथुरा ने हमें इतना प्यार और आशीर्वाद दिया! यह यात्रा हमारे लिए बहुत शानदार रहीवृंदावन होम टावर्स में ठहरने से लेकर 'हरे राम हरे कृष्ण' की मधुर धुनें सुनने तक, सब कुछ बहुत शांतिपूर्ण और प्रेम से भरा हुआ था। हमें खुशी है कि हमारे छोटे बच्चे मंदिरों को देख सके और वहां की आध्यात्मिक ऊर्जा को महसूस कर पाए। हमें प्रेमानंद महाराज जी से मिलने का भी अवसर मिला, जिनकी बातें

हमारे दिल को छू गईं। इस सुंदर जीवन के लिए दिल से आभारी हूं। धन्यवाद, मथुरा!

तस्वीरों में गुरमीत और देबिना अपने बच्चों के साथ मंदिरों के अंदर आशीर्वाद लेते और तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह भगवान कृष्ण की मूर्ति को झूला झुला रहे हैं और एक गाय को चारा खिला रहे हैं। एक क्लिप में प्रेमानंद महाराज जी गुरमीत को शांति और श्रद्धा के साथ भगवान का नाम जपने की सलाह देते नजर आए। फिलहाल गुरमीत और देबिना रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं। इससे पहले गुरमीत और देबिना ने आईएएनएस से बातचीत की थी। जिसमें अभिनेता से इस शो को करने की वजह पूछी गई। अभिनेता ने कहा, यह सब मजे के लिए किया और ये असल जिंदगी की बहसों से बचने का एक तरीका भी था।

गुरमीत ने कहा, मेरे लिए तो बड़ी वजह देबिना है। हम दोनों हमेशा शूटिंग में व्यस्त रहते हैं, और ये एक अच्छा मौका है कि हम 24 घंटे एक-दूसरे के साथ रहेंगे। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, फिर चाहे लड़ाई क्यों न हो जाए, और अगर लड़ाई कैमरे के सामने हो जाए, तो घर पर झगड़े नहीं होंगे, क्योंकि सच बताऊं तो मेरे अंदर घर पर देबिना से बहस करने की हिम्मत नहीं है। 'पति पत्नी और पंगा' शो की मेजबानी एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी कर रहे हैं। यह शो 2 अगस्त को कलर्स टीवी पर शुरू हुआ।

म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी का नया म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' गुरुवार को रिलीज हो चुका है। पुरी के मुताबिक इसका रफ वर्जन सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। म्यूजिक वीडियो में अकांक्षा के साथ को-स्टार सनम जौहर हैं। वीडियो में थीम को शानदार अंदाज में पेश किया गया है। अकांक्षा ने कहा, शुरुआत में मुझे थोड़ा डर था, क्योंकि मैं सनम से पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन, वह इतने सहज एक्टर हैं कि हमारी केमिस्ट्री तुरंत बन गई। लोग शायद यकीन न करें कि हम पहली बार शूटिंग के दौरान मिले! सनम अपनी डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस वीडियो में डांस से ज्यादा भावनात्मक तालमेल की जरूरत थी। अकांक्षा ने बताया, यह गाना कोरियोग्राफी के बारे में नहीं, बल्कि भावनाओं को जोड़ने का था। हमारी केमिस्ट्री स्वाभाविक रूप से बन गई।

अकांक्षा पहले भी इस प्रोडक्शन टीम के साथ 'बरसातें अच्छी लगती हैं' गाने में काम कर चुकी हैं। उनका अनुभव शानदार रहा।

जब टीम ने उन्हें इस गाने के लिए संपर्क किया, तो वह तुरंत इससे जुड़ गईं। उन्होंने कहा, म्यूजिक वीडियो आपको अपनी स्टाइल और अभिनय की सीमाओं को आजमाने का मौका देते हैं। शूटिंग तेज और एनर्जेटिक होती है, जो दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाती है। मुझे गाने के ऑफर हमेशा उत्साहित करते हैं। यह लंबे फॉर्मेट के अभिनय या फिल्म में एक्टिंग से अलग अनुभव देता है। अकांक्षा ने 2013 में तमिल फिल्म 'एलेक्स पांडियन' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से बॉलीवुड में कदम रखा। साल 2017 में वह टीवी सीरियल 'विघ्नहर्ता गणेश' में माता आदि पराशक्ति के किरदार में दिखीं। वह रियलिटी शो 'स्वयंवर : मीका दी वोटी' की विनर भी रह चुकी हैं।

वर्ष 2025 मेरे लिए बेहद शानदार रहा : काजोल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई । अभिनेत्री काजोल कोर्टरूम ड्रामा वेब सीरीज 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' के साथ फिर से वापसी कर रही हैं, जिसको लेकर उनका कहना है कि 2025 मेरे करियर को लेकर बेहद शानदार रहा है। 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' के मेकर्स ने वीडियो जारी कर इस बात की घोषणा की है कि शो का दूसरा सीजन वापस आ रहा है। वीडियो में दिखाया गया है कि नोयोनीका सेनगुप्ता (काजोल), कानून की दुनिया में अपनी जगह बना चुकी है। सीरीज में अभिनेत्री को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उसे ऐसे फैसले लेने होंगे, जो बहुत मुश्किल और लगभग असंभव लगते हैं। साथ ही, कहानी में कुछ ऐसे चौंकाने वाले विश्वासघात (धोखे) भी होंगे, जो दर्शकों को हैरान कर देंगे। ये सब मिलकर कहानी को इतना रोमांचक बनाते हैं कि दर्शक अपनी सीट पर बने रहेंगे और उत्सुकता के साथ यह देखेंगे कि आगे क्या होता है। सीरीज में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, करियर के तौर पर ये साल मेरे लिए बेहद शानदार रहा है। मुझे कई कहानियों और अलग-अलग किरदारों को निभाने का मौका मिला है, लेकिन उन सब में नोयोनीका सेनगुप्ता का किरदार

मेरे दिल के बेहद करीब है।''

काजोल ने आगे कहा, पहले सीजन में नोयोनीका एक कमजोर और संघर्षशील लड़की थी, जो अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही थी। लेकिन अब, नए सीजन में, नोयोनीका ने कठिन और प्रतिस्पर्धी कानूनी दुनिया में अपनी मजबूत जगह बना ली है। मुझे नोयोनीका के किरदार को फिर से निभाने में बेहद खुशी हो रही है, क्योंकि मुझे नोयोनीका के इस बदलाव और विकास को दिखाने का मौका मिला।'

' मैं इस सीरीज को लेकर काफी उत्साहित हूं, और चाहती हूं कि दर्शक इसको जरूर देखें और अपनी प्रतिक्रिया दें कि हमने क्या बनाया है। 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' एक भारतीय वेब सीरीज है, जो असल में अमेरिकी टीवी सीरीज 'द गुड वाइफ' पर आधारित है। यह शो भारत के दर्शकों के हिसाब से ढालकर बनाया गया है, लेकिन इसकी मूल कहानी और आइडिया अमेरिका के शो से लिया गया है। 'द गुड वाइफ' को सीबीएस स्टूडियो, स्कॉट फ्री प्रोडक्शंस और किंग साइज प्रोडक्शंस ने मिलकर बनाया था। शो के फॉर्मेट (स्ट्रक्चर, कहानी का तरीका, किरदारों की भूमिका) के अधिकार पैरामाउंट ग्लोबल कॉन्टेन्ट डिस्ट्रीब्यूशन नाम की कंपनी के पास है। अब इन अधिकारों को भारतीय मेकर्स को (अनुमति) दिया गया है ताकि वे उसी कहानी को भारत में अपने तरीके से बना सकें। उमेश बिस्ट के निर्देशन में बनी 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' सीरीज का निर्माण बनिजय एशिया कर रहे हैं। इसमें काजोल के अलावा जिशु सेनगुप्ता, सोनाली कुलकर्णी, शीबा चड्ढा, अली खान, कुब्रा सैत, गौरव पांडे और करणवीर शर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। 'द ट्रायल' का दूसरा सीजन 19 सितंबर, 2025 को जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगा।

खुद के लिए जरूर निकालें समय : जैकलीन फर्नांडीज

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने आज की तेज-रफ्तार दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य और खुद के देखभाल के महत्व पर बात की। भोपाल में आयोजित एक इवेंट में पहुंचीं एक्ट्रेस ने बताया कि छोटी-छोटी आदतें जैसे मेडिटेशन और माइंडफुलनेस जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। जैकलीन ने कहा, आज की लाइफस्टाइल बहुत तनाव से भरी बन चुकी है। ऐसे में माइंडफुलनेस और ध्यान बहुत जरूरी है। चाहे आपको 5 मिनट, 10 मिनट या आधा घंटा मिले अपने लिए समय निकालें। यह आपके दिमाग को शांत और शरीर को स्वस्थ रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि वह अपने शरीर और आत्मा के बीच गहरा जुड़ाव महसूस करती हैं। उन्होंने बताया, मेरा शरीर और आत्मा दोनों स्वस्थ और ताकत से भरपूर हैं। मैं आध्यात्मिक इंसान हूं। जैकलीन की गिनती उन हस्तियों में की जाती है जो मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करती हैं। इसके साथ ही, वह अपने फैंस को खुश रहने और तनाव दूर करने का उपाय भी देती हैं। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया था कि वह डिप्रेशन के दौर से गुजर चुकी हैं। अभिनेत्री ने बताया था कि इनसे निकलने में योग और ध्यान बेहद फायदेमंद रहे हैं।वह सोशल मीडिया पर अक्सर फैंस के लिए स्वास्थ्य से जुड़े पोस्ट शेयर करती रहती हैं। एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि कैसे घर पर खुद को फिट और हेल्दी रखा जा सकता है। तस्वीर में वह प्राणायाम करती नजर आईं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 09-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चितामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि तप जीव को आध्यात्मिक उत्थान की ओर ले जाने का एक सरल माध्यम है।

मन व इंद्रियों को जीतने वाला ही बड़ा तप कर सकता है : मुनि पुलकित कुमार

मासखमण तपस्वी सरिता मुथा का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी की निश्रा में तपस्वी सरिता मुथा का मासखमण तप अभिनंदन का आयोजन किया गया। इस मौके पर धर्म चक्रताप करने वाले तपस्वियों का भी सम्मान किया। मुनिश्री ने तप अनुमोदना करते हुए कहा कि जैन शास्त्रों में चार प्रकार के शूरवीर बताए हैं युद्ध शूर, दानशूर, क्षमा शूर और तपशूर। तपस्या करना भी शूरवीरता का ही काम है । तपस्या से काया ही कृश नहीं होती हैं कषाय व कर्म भी कृश अर्थात कमजोर होते हैं । मुनिश्री ने कहा कि सरिता मुथा ने जीवन में पहली बार मासखमण जैसा कठिन तप कर के कुल पर कलश चढ़ाने का उत्तम कार्य किया है।

चातुर्मासिक धर्मोत्सव 2025 गांधीनगर के अंतर्गत यह चतुर्थ मासखमण हो रहा है, मन व इंद्रियों को जीतने वाला ही बड़ा तप कर सकता है। मुनिश्री आदित्य कुमारजी ने तप अनुमोदना में गीत प्रस्तुत किया। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत करते हुए तप अनुमोदना की। मुथा परिवार से वर्षा सांखला, क्रियांश सुराणा,वंदना सुराणा, धोका परिवार की महिलाएं एवं नवनीत मुथा ने तपस्वी के प्रति भावाभिव्यक्ति दी। सभा की ओर से तपस्वी सरिताबाई मुथा का सम्मान किया गया। इसी के साथ धर्मचक्र की तपस्या करने वाले तपस्वी महावीर मूथा, शर्मिला भंसाली, कांता रायसोनी का भी सम्मान किया। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने संचालन किया। इस अवसर पर अनेकों क्षेत्रों से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

तप ही मोक्ष प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि तप जीव को आध्यात्मिक उत्थान की ओर ले जाने का एक सरल माध्यम है। संसार में अब तक जितने भी महापुरुष हुए हैं, वे सभी तप करके ही महान बने हैं। तप जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण कर्म है। जो लोग जीवन में तप को अपनाते हैं, वे संसार सागर से आसानी से तर जाते हैं अर्थात जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। तप ही मोक्ष प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है। तपस्या के बिना जीवन में कुछ भी प्राप्त नहीं हो सकता। जिस प्रकार सूर्य ताप और अग्नि से गुजरता है इसलिए वह सभी को प्रकाश और ऊष्मा प्रदान करता है उसी प्रकार, चंद्रमा और तारे भी अपनी-अपनी तरह से तपस्या करते हैं। संसार में तपस्या के बिना कोई भी कार्य सिद्ध नहीं होता। यदि सूर्य गर्म न होता, तो भूमि उपजाऊ न होती, क्योंकि सूर्य की किरणों के अभाव में पृथ्वी पर किसी भी वनस्पति का अस्तित्व संभव न होता। प्रत्येक वनस्पति सूर्य की किरणों को अवशोषित करके मिट्टी से अपना भोजन स्वयं तैयार करती है। भूमि को जितना अधिक ताप मिलता है, वह उतनी ही अधिक उपजाऊ बनती है। उस स्थान पर बोए गए बीज शीघ्र अंकुरित होकर शीघ्र फल देने में सक्षम हो जाते हैं। इसके लिए सूर्य का अपना ताप आवश्यक है।ङ्कआचार्यश्री ने कहा कि त्यौहारों पर बनने वाली मिठाई-पकवानों की महक मन को ललचा देती है। ऐसे में चातुर्मास काल में निराहार रहकर तप करना किसी आश्चर्य से कम नहीं। तपस्वी आत्माएं तपस्या कर अपनी आत्मा को निर्मल कर चन्दन की भांति पावन हो जाते हैं। तपस्या को जिनशासन में बहुत ही ऊंचा दर्जा दिया गया है। आचार्यश्री की निश्रा में शुक्रवार को रिंकूदेवी भंसाली ने अपने 31वें उपवास के पच्चखाण ग्रहण किए। गुरुदेव ने तपस्वी को आशीर्वाद दिया। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा तपस्वी रिंकू देवी एवं 21उपवास के तपस्वी मीना देवी दक का सम्मान किया। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थीं।

विश्व शांति के लिए पार्श्व पद्मवती महापूजन कल

आचार्यश्री प्रभाकर सूरीश्वरजी की निश्रा में रविवार को चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ महालक्ष्मी लेआउट व कंचनदेवी प्रेमचन्द बम्बोरी परिवार के तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड के दि ग्रांड केसल, गेट नम्बर 6 पर सुबह 10.30 बजे से विश्व शांति के लिए श्री पार्श्वनाथ पद्मावती महादेवी महापूजन का आयोजन किया गया है, जिसमें सैकड़ों सजोड़े भाग लेंगे। गुरु हेमंत, गौरांग, धनंजय, जिग्नेश विधि विधान करवाएंगे तथा नरेन्द्र वाणीगोता व पायल राणावत भजनों की प्रस्तुति देंगे। संघ के अध्यक्ष नरेश बम्बोरी से सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

तेयुप हनुमंतनगर ने आयोजित की भिक्षु भजन संध्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्यश्री भिक्षु स्वामी की मासिक तेरस, सावन सुदी तेरस के उपलक्ष्य में तेयुप हनुमंतनगर संचालित महाश्रमण सुर संगम द्वारा तेरापंथ भवन में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में सुर संगम के संयोजक सन्नी रांका, सहसंयोजक सुरेश कोठारी, राहुल मेहता, विक्रम पुगलिया, पूर्व अध्यक्ष अकुंश बैद, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, सभा के अध्यक्ष गौतम दक, महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा मंजू दक, भावना बाफना ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियां दी। तेयुप के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया।

इस अवसर पर तेयुप, सभा व महिला मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंत्री देवेन्द्र आंचलिया ने धन्यवाद दिया।

मनुष्य को कभी किसी का अहसान नहीं भूलना चाहिए : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि कर्नाटक की संस्कृति के हिसाब से आज विशिष्ट पर्व है वरमहालक्ष्मी। जैसे हम दिवाली पर मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं, वैसे ही यहां के लोग वरमहालक्ष्मी की पूजा करते हैं। लक्ष्मी सभी को चाहिए। सभी अपने हिसाब से लक्ष्मी को मनाने की कोशिश करते हैं। लोग तरह तरह की पूजा करते हैं ताकि लक्ष्मी उनके पास रहे। लक्ष्मी के बिना संसार में रहना बहुत मुश्किल है। जिसके पास लक्ष्मी नहीं है वह लक्ष्मी कमाने के चक्कर में पड़ा है। वर्तमान में मनुष्य जरूरत से ज्यादा कमाने और खाने के चक्कर में है।

मनुष्य खाता तो बहुत है लेकिन मेहनत उतनी नहीं करता है। खाने में मनुष्य को संयम रखना चाहिए। मनुष्य खुद को जैसा बनाना चाहेगा, वैसा बन जाएगा, लेकिन उसके लिए आदत बहुत जरूरी है। जैसी आदत होगी वैसा ही मनुष्य अपना भविष्य बना सकेगा। मनुष्य को कभी किसी का अहसान नहीं भूलना चाहिए। बुरे वक्त में जो भी आपके साथ खड़ा हो उसके इस अहसान को कभी नहीं भूलना। अपने माता पिता के उपकारों को भी कभी नहीं भूलना चाहिए क्योंकि जो उन्होंने किया है वो कोई नहीं कर सकता है। वे घर की आन और शान होते हैं। माता पिता के उपकारों को भूलने वाला कभी सुखी जीवन नहीं जी सकता है। संतश्री ने कहा कि थोड़ी सी सफलता मिलते ही मनुष्य घमंड में आ जाता है।

अकड़ दिखाने लगता है। लेकिन यह घमंड एक दिन नर्क में पहुंचा देगा। मनुष्य अगर आज भूल करेगा तो बहुत पछताएगा। काया दो दिन की माया है उसके बाद खत्म हो जाएगी। जो आया है वो जाएगा। इसलिए यहां रहते हुए प्रभु का स्मरण कर सुख प्राप्त कर लेना चाहिए। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

योगीराज विजय शांतिसूरी गुरु मंदिर के प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावे कल

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। शहर में स्थित दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के पूर्ण सहयोग से निर्माणाधीन दक्षिण शांतिसूरी धाम तीर्थ अरसीकेरे में नवनिर्मित योगीराज श्री विजय शांतिसूरि गुरु मंदिर का प्रतिष्ठा महोत्सव आगामी वर्ष में 19 से 23 फरवरी तक मनाया जाएगा, जिसके निमित्त प्रतिष्ठा संबंधी प्रथम जाजम के चढ़ावे बोले जाने हेतु कार्यक्रम का आयोजन रविवार 10 अगस्त को वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में प्रातः 7:15 बजे से किया जा रहा है। चेयरमैन ताराचंद राठौड़, अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा ने बताया कि इस कार्यक्रम में आचार्य देवेंद्रसागरसूरीश्वर की निश्रा एवं प्रेरक मनोजकुमार बाबूमल हरण के मार्गदर्शन में जाजम संबंधी चढ़ावे, योगीराज शांतिगुरुदेव प्रतिमा, सरस्वतीदेवी प्रतिमा, पद्मवतीदेवी प्रतिमा एवं गुरुदेव की मंगल मूर्ति प्रतिमा भराना के चढ़ावे एवं प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावे बोले जाएंगे। ङ्कमहासचिव विजयकुमार सुराना ने जानकारी दी कि रविवार को प्रातः7:15 बजे सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर वीवी पुरम में संघ का आगमन होगा एवं लाभार्थी ताराचन्द राठौड़ परिवार के साथ संभवनाथ भवन हेतु प्रस्थान करेगा। तत्पश्चात वहां शुभ वेला में जाजम का विधि विधान प्रारम्भ होगा तथा चढ़ावे बोले जाएंगे।

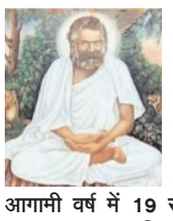

संतश्री मरुधर केसरी व रूपमुनि मानवता के मसीहा थे : साध्वी अणिमाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी अणिमाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रमण संघ को सुदृढ़ व मजबूती प्रदान करने वाले संत थे मरुधर केसरी मिश्रीमलजी व लोकमान्य संत रूपमुनिजी। उनका सूत्र था एक ही रीति, एक ही आवाज, जगमग चमके जैन समाज। इन द्वय महापुरुषों के हम पर अनंत उपकार हैं। संतद्वय सरल व सुलझी सोच वाले थे। दोनों संत मानवता के मसीहा थे।

साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि महापुरुष का जीवन खुली किताब के समान होता है। संतद्वय सत्य व अहिंसा के परिपालक थे तथा सदा भक्तों को सही दिशा, सही मार्गदर्शन करते थे। वे जन-जन के प्रति समर्पित संत थे। उनकी ज्ञान व चरित्र की साधना बहुत ही निर्मल व उज्ज्वल थी। संघ के हित में उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया। अन्य साध्वियों ने संतद्वय के गुणों का गुणगान किया। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि शहर के अनेक वरिष्ठ श्रावकों ने साध्वीश्री के दर्शन किए। महासती कंचनकंवर जी ने मंगलपाठ सुनाया। संघ के मंत्री पदमचन्द बोहरा ने संचालन किया।

ज्ञानशाला के बच्चों ने भिक्षु संगीत प्रतियोगिता में दिखाई अपनी गायन प्रतिभा

केजीएफ। शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पावनप्रभाजी के सान्निध्य में भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष व तेरस के दिन 'आज की शाम भिक्षु के नाम' संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें ज्ञानशाला के बच्चों ने संघ के गायकों द्वारा गाए गीतों की प्रस्तुति दी।

ज्ञानशाला के बच्चों ने अपनी अपनी पसंदानुसार संघ गायकों के गीत गाए। इस प्रतियोगिता में 10 वर्ष के उम्र वर्ग में प्रथम स्थान युक्ता-धानी हिंगड़, दूसरे स्थान पर क्रियांश मुथा और तीसरे स्थान पर क्रिशा हिंगड़ विजयी रहे। छोटे बच्चों में प्रथम स्थान श्रीती हिंगड़, दूसरा युधिर बांठिया व तीसरे स्थान पर जैनिक सेठिया रहे। कार्यक्रम में ज्ञानशाला के 15 बच्चों ने भाग लिया। पंकज बांठिया, सुमन बांठिया व प्रिया बांठिया ने गायक बच्चों के गायन का मूल्यांकन किया। इसके अलावा अनेक बच्चों को प्रतिभा के अनुसार उपाधि से अलंकृत किया। साध्वी पावनप्रभा जी की सभी बच्चों की प्रस्तुति को सराहा और कहा कि स्टेज पर खड़े होकर प्रस्तुति देना बहुत बड़ी बात है। सभी बच्चों को गौतम सेठिया की तरफ से पुरस्कृत किया गया। ज्ञानशाला की प्रशिक्षिका कांता बांठिया ने संचालन किया।

दान देने में आनंद की अनुभूति हो तो दान सफल है : साध्वी मयूरयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाजी ने धर्मरत्न प्रकरण ग्रंथ का वाचन करते हुए श्रावक के 21 गुणों के अंतर्गत चौथे लोकप्रियता गुण में दान का वर्णन करते हुए बताया कि दान देने के पांच भूषण हैं। पहला दान देते समय आनंद के आंसू आएं तो उस समय यह सोचना कि आज मेरा दिन धन्य बन गया, आज की घड़ी धन्य है जो मुझे दान देने का अवसर मिला। दूसरा रोमांचित बन जाना यानी की उसके मन में रोमांच उत्पन्न हो व प्रफुल्लित बन जाए। तीसरा भूषण है सम्मान से आदरपूर्वक दान देना, चौथा भूषण है प्रिय वचन बोलना व प्रेम पूर्वक दान देना और पांचवा भूषण है दान की अपने मन में बार-बार अनुमोदना करना। दान देने वाले व्यक्ति को लाभ लेने का अवसर नहीं मिले तो उसे वेदना होती है, दुख होता है। विनय और विवेक के बारे में बात करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि विनय सिखाया जाता है जबकि विवेक अंदर से प्रकट होता है, विनय बाहर दिखाई देता है जबकि विवेक आत्मा का विषय है। जो व्यक्ति विनयी होता है वह झुकता है, जबकि अभिमानी व्यक्ति अकड़ के ही चलता है। व्यक्ति में बुद्धि कम होने पर भी अगर विनय गुण है तो उसका कल्याण हो जाता है ।

बिन्नी मिल मंदिर में संतोषी मां जन्मोत्सव आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित जय अम्बे मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मृदुलाबेन जाडेजा के सान्निध्य में आज शनिवार को संतोषी मां जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस मौके पर मंदिर की विशेष सजावट व प्रतिमाओं की अंगरचना की जाएगी। महोत्सव में सुबह 7.35 बजे से सत्यनारायण पूजा, हवन तथा शाम को नाकोड़ा भैरव आरती, पालना उत्सव, महाआरती व भक्ति संध्या का आयोजन किया गया है।

सत्वशाली आत्माएं नहीं करती गलत मार्ग का अनुसरण : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शुक्रवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में स्थानीय जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में प्रारब्ध और पुरुषार्थ प्रवचनमाला के अंतर्गत आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अनेक तार्किक दृष्टांतों द्वारा विषय को रोचक ढंग से विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि सत्वहीनता दुर्भाग्य की सूचक है। शरीर, मन, समय, बुद्धि, आयुष्य अथवा साधनों का सामर्थ्य न होना सत्वहीनता है। यह भूतकाल में अपने द्वारा किए गए बुरे कार्यों का प्रतिफल है। सत्वहीन मनुष्य का मन कमजोर होता है। उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल नहीं रहता। वह अपने मन या शरीर के बलबूते पर बड़े काम करने में असमर्थ होता है। सत्वहीन मनुष्य की बुद्धि भी सामान्य होती है, विलक्षण नहीं होती। सत्व के अभाव में व्यक्ति के पास साधन, सुख-सुविधाएं और अनुकूलताएं भी बहुत कम होती हैं। इस सब परिस्थितियों के देखकर प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए और अपने समय व शक्तियों का सदुपयोग करना चाहिए। जो अच्छे कार्य करता है, उसका एक न एक दिन भला होता है और जो बुरे कार्य करता है, उसके दुर्भाग्य को कोई टाल नहीं सकता है। यही शाश्वत सत्य है। कर्मवाद के इस सिद्धांत को ठीक से समझकर ही हम अपने जीवन का कल्याण कर सकते हैं। ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि आत्मा अनंत शक्तिमान है, उसे कमजोर मत समझिए। हमें अपनी आत्मशक्तियों को जागृत करने का भरपूर पुरुषार्थ करना चाहिए। अपने सुषुप्त चेतना को जगाकर अभूतपूर्व कर्म करने के लिए यही एकमात्र मनुष्य जीवन है। मानकर चलिए, जो महान कार्य इस जन्म में हो सकते हैं, वे किसी अन्य जन्म में नहीं हो सकते। इसी अर्थ में मनुष्य का जीवन स्वर्णिम अवसर है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि दो दिवसीय तपोत्सव की तैयारियां यहां जोरों से चल रही है।

आत्मकल्याण के लिए धर्म का आश्रय लेना आवश्यक : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन स्थानकवासी श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य इस संसार में रहते हुए विषय कषायों के प्रभाव में हर पल, हर क्षण उलझता जा रहा है। मोह और माया की जंजीरें आत्मा को बांध देती हैं, जिससे वह 84 लाख योनियों में निरंतर भटकती रहती है। प्रत्येक मनुष्य को आत्मकल्याण के लिए धर्म का आश्रय लेना चाहिए और अपने जीवन को संयममय बनाना चाहिए। जब भी विषय कषायों का उफान आए, तब हमें प्रभु की वाणी जिनवाणी का श्रवण, मनन और आत्मसात करते हुए उसे अपने आचरण में उतारना चाहिए। यही मार्ग मुक्ति की दिशा में ले जाने वाला है।ङ्कसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि आत्मा की शुद्धि और कल्याण तभी संभव है, जब हम राग-द्वेष को त्यागकर समता में स्थित हों। हमें अपने मन, वचन और काया को जिनशासन के अनुरूप बनाकर सद्धे अनुयायी बनना चाहिए। संयम, तप और स्वाध्याय आत्मा को संवर और निर्जरा की दिशा में ले जाने वाले सशक्त साधन हैं। आत्मा का चरम लक्ष्य मोक्ष है, और वह तभी प्राप्त हो सकता है जब हम विषयों की आसक्ति से ऊपर उठकर आत्मा की ओर उन्मुख हों। सभा में पीरचंद ओस्तवाल ने 19 उपवास एवं बाबूलाल बाफना ने 10 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। इस अवसर पर चेयरमैन मीठालाल मकाणा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे । अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने स्वागत किया। संघ मंत्री सज्जन बोहरा ने संचालन किया।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री संतोषी माताय नमः ॥ ॥ श्री अम्बे माताय नमः ॥
श्री संतोषी माँ जन्मोत्सव आमंत्रण
माँ जन्मोत्सव, शनिवार
दि. 9 अगस्त 2025
भावभरा आत्मीय आमंत्रण
आत्मीय भक्तजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माँ श्री संतोषी का जन्मोत्सव शनिवार, दि. 9.8.2025 को बड़े ही उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा।
रक्षाबंधन का विशेष कार्यक्रम व आकर्षण
शनिवार, दि. 9 अगस्त 2025
● श्री सत्यनारायण पूजा, हवन ● प्रातः 7.35 बजे से
● श्री नाकोड़ा भैरव आरती- सायं 6.00 बजे
● पालना झुलाना - सायं 6.15 बजे
● महाआरती- सायं 6.30 बजे
● भक्ति संध्या- सायं 7.30 बजे से
● मंदिर की झूलों द्वारा भव्य सजावट
● दीपों से जगमगाता श्री संतोषी माँ मंदिर
● माँ एवं सभी देवी -देवताओं की भव्य अंगरचना(आंगी)
● सायं आरती पश्चात् भक्ति की रमझट
निवेदक: श्रीमती मृदुलाबेन जाडेजा
श्री संतोषी माँ मंदिर
श्री जय अम्बे मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.)
41, बिन्नी मिल रोड, बेंगलौर 560 053.
कृपया मंदिर में काले वस्त्र पहनकर न आवें, महिलाऐं विशेष आशातनाओं से बचें ।
Siam CHARITABLE TRUST BANGALORE

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com